तापमान
अधिकतम 35.7 डिग्री
न्यूनतम 25.3 डिग्री

हरिभूमि

जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 14 जुलाई 2024

10 राज्य सरकार की उपलब्धियों का किया जा रहा है प्रचार

10 पुरानी पेंशन बहाली को लेकर कर्मचारियों ने सड़कों ...

BABA MASTNATH UNIVERSITY

Asthal Bohar, Rohtak-124021 (Haryana)

(Unique Blend of Science and Spirituality)

Mahant Balaknath Ji Yogi
Chancellor, BMU

Awarded With
India's Best Quality Award

New Normal 2023
EDUCATION LEADERSHIP SUMMIT & AWARDS
NEW DELHI
21st-22nd July
Outstanding University in Innovative Teaching and Learning Practices 2023

150+ Acres Land
80+ Programmes
15000+ Students
5200+ Placed Student
65+ Yrs. In Education
25000+ Regi. Alumni
500+ Faculty
50+ Departments
1800+ Res. Paper Published

ADMISSIONS OPEN 2024-25

Get upto 100% Scholarship

NEP 2020 Syllabus | Internship & Placement Support | Skill Enhancing Courses

PROGRAMMES OFFERED

FACULTY OF ENGINEERING
B.Tech.-Computer Science and Engg.
-AIML
-Data Science
-Cyber Security
-IOT & Blockchain
-Comp. Animation & Gaming
B.Tech.-Civil Engg.
-Transportation Engg.
-Structural Engg.
B.Tech. (Mechanical Engg.)
B.Tech. (Electronics & Comm. Engg.)
M.Tech. (Computer Science and Engg.)
M.Tech. (Civil Engg.)
-Transportation Engg.
-Structural Engg.

FACULTY OF HUMANITIES
B.A. (Bachelor of Arts)
B.A. (Bachelor of Arts) Hons. with Research
B.A. (Bachelor of Arts) English (Hons.)
B.A. J.M.C.
B.A. J.M.C.- Hons. with Research
B.Lib. & Info. Science
Shastri
M.A.-Hindi
M.A.-English
M.A.-History
M.A.-Pol. Sc.
M.A.-Economics
M.A.-Education
M.A.-Sociology
M.A.-Pub. Admin.
M.A.-Geography
M.A.-J.M.C.
M.A.-Sanskrit
M. Lib. & Info. Science
DIPLOMA
-Leadership & Management
-Guidance & Counselling
-Early Childhood Care & Education

FACULTY OF PHARMACY
D. Pharm.
B.Pharm.
M.Pharm.-(Pharmaceutics)
M.Pharm.-(Pharmacology)

FACULTY OF AYURVEDA
BAMS -Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery

FACULTY OF PHYSIOTHERAPY
BPT (Bachelor of Physiotherapy)
B.Sc.-Medical Lab Technology
B.Sc.-Ophthalmic Technology
MPT-Sports
MPT-Neurology
MPT-Orthopaedics
MPT-Cardiothoracic & Pulmonary Disorder

FACULTY OF SCIENCES
B.Sc.-(Hons.) Agriculture
B.Sc.-Mathematics
B.Sc.-Hons. in Mathematics
B.Sc.-Physics
B.Sc.-Hons. in Physics
B.Sc.-Chemistry
B.Sc.-Hons. in Chemistry
B.Sc.-Bio-Technology
B.Sc.-Hons. in Bio-Technology
B.Sc.-Home Science
B.Sc.-Hons. in Home Science
B.Sc.-Physical Sciences
B.Sc.-Physical Sciences with Major Mathematics
B.Sc.-Physical Sciences with Major Physics
B.Sc.-Physical Sciences with Major Chemistry
B.Sc.-Life Sciences
B.Sc.-Life Sciences with Major Botany
B.Sc.-Life Sciences with Major Zoology
B.Sc.-Life Sciences with Major Chemistry
M.Sc.-Physics
M.Sc.-Chemistry
M.Sc.-Botany
M.Sc.-Zoology
M.Sc.-Bio-Technology
M.Sc.-Mathematics
M.Sc.-Home Science

FACULTY OF MGT. AND COMM.
BBA
-Digital Marketing & Sales
-IT with AI-ML
-Marketing
-HR Management
-Finance
-International Business
-Entrepreneurship
-Hons. With Research
MBA
-IT with AI-ML
-Marketing
-HR Management
-Finance
-International Business
-Entrepreneurship
B.Com
-General
-Professional-CA Stream
-Professional-CS Stream
-Hons. With Research
M.Com.
BCA
-General
-Data Science
-AI & ML
-Graphics & Animation
MCA
-General
-Data Science
-AI & ML
-Graphics & Animation

Newly Introduced Programmes:-
- B.Sc. -(Hons.) Agriculture
- B.Sc. -Medical Lab Technology
- B.Sc. -Optometry

FACULTY OF LAW
B.A. LL.B. - (5 Years Integrated Programme)
LL.B. - (3 Years)
LL.M. - (2 Years)

FACULTY OF NURSING
***ANM** - (2 Years)
***GNM** - (3 Years)
Post Basic B.Sc. Nursing -(2 Years after GNM)

Ph.D.-Available in All Streams

WHY TO CHOOSE BMU
✓ Unique Blend of Science and Spirituality
✓ Quality Education at Affordable Fee
✓ Multi-disciplinary and Holistic Education
✓ Skill Development Programmes
✓ Research Projects in UG and PG Programs
✓ Innovation, Start-ups and Incubation Centre
✓ Indian Knowledge System Courses
✓ Office of International Student Affairs
✓ Youth Skilling and Competitive Examination Centre
✓ Training and Placement Facilities
✓ UNO Academic Impact Membership

SALIENT FEATURES
» Wi-fi Campus
» 24x7 Electricity
» Well stocked Libraries
» Well equipped Laboratories
» Separate Hostel for Boys/Girls
» Air-Conditioned Auditorium
» NCC, NSS, & Youth Red Cross Units
» Hospitals having modern Equipments
» CCTV Enabled Safe & Secure Campus

Scan to visit website

ESCORTS | sona | CAPARO FASTENERS | HNG | TATA CONSULTANCY SERVICES | SURYA | भारतीय सेना | Infosys | HCL | MARUTI SUZUKI

+91-9053066636, 8683888830/31/32 || www.bmu.ac.in

खबर संक्षेप

शहर में अतिक्रमण के खिलाफ की कार्रवाई

तरावड़ी। शहर में अतिक्रमण की समस्या को आमजन काफी परेशान है इसकी वजह से हमेशा बाजारों जाम की समस्या बनी रहती है। नगरपालिका के ढुलमुल रवैये से दुकानदारों ने हद ज्यादा अपने की सजावट कर रखी थी। आज तक बाजार में अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई कर पाई है नतीजा बाजार में दुकानदार अपनी मनमर्जी करते हैं और जिस कारण से मुख्य बाजार हर समय जाम की स्थिति बनी रहती है। कई बार समाचारों के माध्यम से शहर की प्रमुख जाम की समस्या को प्रकाशित भी किया गया। जिसके बाद नगर पालिका प्रशासन हरकत में आया और नगर पालिका की टीम ने नडाना रोड, सौंकड़ा रोड व मेंन बाजार करनाली गेट में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर दुकानदारों का सामान उठाकर ट्राली में लोड किया।

तरावड़ी बिजली विभाग का जेई सस्पेंड

तरावड़ी । तरावड़ी बिजली विभाग के कर्मचारियों द्वारा जे ई को सस्पेंड करने पर बिजली कार्यालय के समक्ष रोष प्रदर्शन किया। तरावड़ी बिजली विभाग में कार्यरत जेई विक्रम राणा को सस्पेंड करने के मामले में बिजली विभाग तरावड़ी के कर्मचारियों ने गेट मीटिंग कर रोष जाहिर किया। उन्होंने कर्मचारी को बहाल करने की मांग की। उन्होंने बताया कि जेई के सस्पेंड करने को लेकर कर्मचारियों में भारी रोष है। जिसकी अध्यक्षता करनाल यूनिट के वरिष्ठ उप प्रधान दिलबाग सिंह ने की। संचालन यूनिट सचिव राजेश वर्मा ने किया। मिटिंग में निगम प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की गई।

निःशुल्क मेडिकल कैंप में जांची मरीजों की सेहत

तरावड़ी। स्वः लाला सतपाल गोयल की पुण्यतिथि पर रविवार को निशुल्क मैडीकल कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे अमृतधारा अस्पताल के सहयोग व भारत विकास परिषद के द्वारा मेगा हृदय रोग व जनरल हैल्थ चैकअप कैंप प्रातः 9 बजे मानव सेवा दल आंखों के अस्पताल मे लगाया जा रहा है। भारत विकास परिषद के उपप्रधान अमित आश्री व सचिव राकेश हंस ने पत्रकार वार्ता मे बताया कि हर साल की तरह इस बार भी स्वः लाला सतपाल गोयल की पुण्यतिथि पर मैडीकल कैंप लगाया जा रहा है। जिसमे अमृतधारा अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ डा. शिवांक गुप्ता लोगों का चैकअप करेंगें। इस कैंप में सभी प्रकार का चैकअप व टैस्ट निशुल्क किये जाएंगे।

हरियाणा सरकार हर मोर्चे पर विफल

करनाल। पूर्व विधायक करनाल सुमिता सिंह ने गांव पुंडरक में घर घर जा कर 15 जुलाई को दिन सोमवार दोपहर 3:30 बजे कांग्रेस पार्टी द्वारा 'हरियाणा मांगे हिसाब' में शामिल होने का न्योता दिया उन्होंने बताया कि अभियान के तहत मौजूदा सरकार भारतीय जनता पार्टी के पिछले 10 सालों के किए गए कार्यो की विफलता को उजागर करने के लिए रोहतक से नवनियुक्त सांसद आदरणीय दीपेंद्र हुड्डा जी की अगवाई में हरियाणा के सभी जिलों में एक पद यात्रा निकाली जाएगी इन्हें लेकर हम हर गाँव, हर शहर जाएंगे।

प्रदेश में अपराधियों के खिलाफ हो रही सख्त कार्रवाई

अपराध किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : मनोहर लाल

करनाल लोकसभा की सभी विधानसभाओं में होंगे जनसंवाद कार्यक्रम, आम जनता की शिकायतों का होगा निवारण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घरौंडा/करनाल

केन्द्रीय उर्जा, आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को घरौंडा विधानसभा के बस्ताड़ा गांव में स्थित आरपीआईआईटी कॉलेज के सभागार में जनसंवाद कार्यक्रम में आमजन की शिकायतें सुन उनका निवारण किया। इस दौरान उन्होंने लगभग 200 से ऊपर शिकायतें सुनी। दो फरियादियों की सैलरी की शिकायत पर उन्होंने संज्ञान लेते हुए मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को विजिलेंस जांच करवाने के आदेश दिए।

इस मौके पर मनोहर लाल ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि वे अपनी लोकसभा की सभी विधानसभाओं में जनसंवाद कार्यक्रम करेंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से जनता से सीधे तौर पर रू-ब-रू होकर उनकी समस्याओं का हल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर योजना के तहत हर गरीब पात्र व्यक्ति को मकान देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। अनेकों योजनाओं के माध्यम से केन्द्र व प्रदेश सरकार पात्र लोगों को घर बैठे ही निरंतर लाभ पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को भी निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने कार्यालयों में आमजन की शिकायतों को पूरी प्राथमिकता के साथ सुने और उनका निवारण करें।

मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। किसी भी प्रकार के अपराध व अपराधी को सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने बीती रात तीन बदमाशों के एनकाउंटर पर बोलते हुए कहा कि यह पुलिस का बड़ा ही सराहनीय कार्य है। किसी भी अपराधी को पुलिस प्रशासन या सरकार प्रदेश में सहन नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा भविष्य में भी अपराधियों पर निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।

इस अवसर पर घरौंडा के विधायक हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल के दौरान प्रदेश के हर वर्ग के लोगों के लिए जो ऐतिहासिक फैसले लिए गए और अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई गई हैं उनका सीधा लाभ आज प्रदेश की जनता को घर बैठे मिल रहा है।

इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष योगेन्द्र राणा, नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा, अतिरिक्त उपायुक्त अखिल पिलानी, एसडीएम राजेश सोनी, नगराधीश शुभम, डीडीपीओ कृष्ण कुमार, बीडीपीओ अशोक छिकारा, नगर पालिका सचिव प्रिंस मेंहदीरत्ता, मंडल अध्यक्ष सुभाष कश्यप, महामंत्री राजेश जोगी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद

वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत किया वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

जब धरती पर रहेंगे वन, तभी मिलेगा हमें स्वच्छ जीवन, को लेकर नगर निगम करनाल ने वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत शहर के पार्कों में वृक्षारोपण किया। नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा के निर्देश पर निगम के अधिकारियों व अभियंताओं ने शहर की रेजिडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन व सामाजिक संस्थाओं के साथ मिलकर पौधारोपण किया। इसके तहत शनिवार को नगर निगम की ओर से करीब 17 पार्कों में 200 से अधिक बड़े वृक्षों के पौधे रोपित किए गए। इनमें गुलमोहर, अमरूद, जामुन, नीम व बेहड़ा जैसे अनेक प्रकार के फल, फूल व छायादार पौधे लगाए गए हैं। निगमायुक्त ने बताया कि वन महोत्सव एक पारंपरिक भारतीय त्यौहार है, जो पेड़ लगाकर प्रकृति की सुंदरता के बारे में जागरूकता पैदा करके और पर्यावरण को बढ़ावा देकर धरती माता का सम्मान और प्यार करने की भारतीय संस्कृति और विरासत को दर्शाता है। कार्यक्रम के तहत भारतीयों को वृक्षारोपण और उनकी देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित करके देशभर में ओर अधिक वन बनाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वन ही जीवन है। इंसान को यदि जीवित रहना है और स्वच्छ वातावरण चाहिए, तो हमें अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने होंगे और उनकी देखभाल भी करनी होगी। सांस लेने का एकमात्र जरिया है, वृक्ष। यदि वृक्ष नहीं होंगे तो हम ताजा सांस नहीं ले सकते और हमें जरूरी तत्वों की प्राप्ति भी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष वृक्षों की महत्वता को ध्यान में रखते हुए वन महोत्सव जुलाई माह में मनाया जाता है, क्योंकि जुलाई-अगस्त का महीना वर्षा ऋतु का होता है और पेड़-पौधों के उगने के लिए यह नमी का मौसम अच्छा माना जाता है। इस मौसम में पेड़-पौधे जल्दी उगते हैं। पौधों की अच्छे से देखभाल करने से उनकी ग्रोथ भी अच्छी होती है।

साठ की उम्र में पांच से दस प्रतिशत लोगों का सिकुड़ रहा है हृदय वाल्वः रजनीश

- हृदय वाल्व रोग में कारगर है 'टीएवीआर' तकनीक
- नॉन-सर्जिकल इंटरवेंशंस से मृत्यु दर में 21 प्रतिशत की कमी आई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

भारत में औसतन साठ साल की आयु तक पहुंचते-पहुंचते पांच से दस प्रतिशत लोगों में हृदय का वाल्व सिकुडने की समस्या सामने आ रही है। भारत में वाल्व सिकुडने की समस्या 70 की उम्र में 10 से 15 प्रतिशत तथा 75 की उम्र में 20 से 25 प्रतिशत लोगों में देखी जा रही है। यह कोई बीमारी नहीं बल्कि उम्र के कारण होने वाली समस्या है। इसके उपचार के लिए अब चीर-फाड़ करके वाल्व बदलने की बजाए ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व रिप्लेसमेंट (टीएवीआर) और माइट्रल वाल्व क्लिपिंग जैसी नई वाल्व रिप्लेसमेंट प्रक्रिया बेहद कारगर सिद्ध हो रही है। एक बार टीएवीआर तकनीक से वाल्व बदलने के बाद रोगी दस से 12 साल सामान्य जीवन व्यतीत कर सकता है। यह जानकारी मेदांता अस्पताल गुरुग्राम के में इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी विभाग के चेयरमैन डॉ.रजनीश कपूर ने शनिवार को करनाल में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत में दी। कपूर ने बताया कि हृदयघात के बाद हृदय वाल्व रोग हृदय रोग से होने वाली मृत्यु का तीसरा सबसे बड़ा कारण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सीवीडी दुनिया भर में मृत्यु का प्रमुख कारण है, जो सालाना 17.9 मिलियन लोगों की जान लेता है। बढ़ती उम्र के परिणामस्वरूप वाल्वुलर हृदय रोग (वीएचडी) का प्रचलन दुनिया भर में बढ़ रहा है।

राजपूत समाज का सरकार पर उपेक्षा का आरोप

- जो दल समाज हित की बात करेगा चुनाव में उसी का समर्थन किया जाएगा : प्रधान नरेंद्र प्रताप सिंह
- 28 जुलाई को राजपूत समाज के मेधावी छात्रों को किया जाएगा सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

कानाल। करनाल में बैठक करते राजपूत सभा के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

सेक्टर 8 स्थित महाराणा प्रताप भवन में राजपूत सभा की एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें राजनीतिक तौर पर सरकार पर राजपूत समाज की उपेक्षा का आरोप लगाया गया ।बैठक की अध्यक्षता राजपूत सभा के प्रधान डॉक्टर नरेंद्र प्रताप सिंह ने की। जिसमें सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा हरियाणा में अक्टूबर माह में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित है,जिसमें राजपूत समाज उसी दल का समर्थन करेगा जो राजपूत समाज के लोगों को टिकट देगा। उन्होंने कहा भाजपा सरकार के समक्ष राजपूत समाज के लोगों ने विभिन्न मांगे रखी लेकिन सरकार ने उन मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया जिसके चलते समाज के लोगों में सरकार के प्रति नाराजगी है। आगामी विधानसभा चुनाव में राजपूत समाज कड़ा और बड़ा फैसला लेगा और सीधे तौर पर उसी पार्टी का समर्थन करेगा जो राजनीतिक दल राजपूत समाज के हितों की बात करेगा और ज्यादा से ज्यादा टिकट देकर समाज के लोगों को चुनावी मैदान में उतरेगा। उन्होंने कहा की पिछले दिनो सामाजिक ताने-बाने को भी समाप्त करने का षड्यंत्र रचा गया जिसमें सरकार के लोगों ने कोई सकारात्मक भूमिका नहीं निभाई जिसके चलते राजपूत समाज के युवा लगातार संघर्ष करते रहे जिसके परिणाम स्वरूप लोकसभा चुनाव में केंद्र सरकार को इसका खामियाजा भुगतना पड़ा। समय रहते हरियाणा सरकार नहीं चेती तो आगामी चुनाव में भी इससे बुरे परिणाम आ सकते हैं।

राजपूत समाज मेधावी छात्रों का करेगा सम्मान

बैठक में राजपूत समाज के मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह करने का फैसला भी लिया गया। यह सम्मान समारोह 28 जुलाई को महाराणा प्रताप भवन में सुबह 10:00 बजे आयोजित किया जाएगा जिसमें करनाल जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। जिन बच्चों ने 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में ग्रामीण क्षेत्र में 85 प्रतिशत और शहरी क्षेत्र में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं उनके लिए यह सम्मान समारोह रखा गया है। इस अवसर पर डॉक्टर एनपी सिंह, कुलदीप सिंह चौहान नंबरदार ,अजमेर सिंह पंवार, बृजपाल राणा एडवोकेट, गुरदीप बिजना, रामपाल अराईपुरा, तेजपाल बिजना, बिशपाल राणा, भुपसिह राणा,मान सिंह, दीपक केरवाली, प्रदीप पधाना, ओमबीर राणा, प्रमोद राणा उचाना,दीपक राजौंद , गौरव राणा अरडाना सहित समाज के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल में लगाई प्रदर्शनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल दरड़ के प्रांगण में अभिभावक शिक्षक मीटिंग के साथ-साथ प्रदर्शनी आयोजन किया गया। स्कूल प्रबंधक कमेटी सदस्य राजन लांबा, प्रवीण डाबरा, राजेंद्र गोलन, व ऋषि राज लांबा की अध्यक्षता में किया गया। प्रदर्शनी का मार्गदर्शन विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती गुरविंदर चावला द्वारा किया गया । प्रदर्शनी आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा का अन्वेषण करना और उन्हें कई विधियों से सोचने के लिए प्रेरित करना। अपनी समस्याओं के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना ,व्यावहारिक अधिगम का अवसर प्राप्त करना, संचार कौशल विकसित करने में मदद करना। प्रदर्शनी छात्रों को प्रोजेक्ट आधारित शिक्षा में शामिल करके रचनात्मकता को बढ़ावा देती है। प्रदर्शनी लोगों से जुडने के लिए एक आकर्षक मंच के रूप में कार्य करती है। विद्यार्थी पढने की बजाय व्यवहारिक शिक्षा पर जोर देते हैं । प्रदर्शनी में भाग लेने पर उनमें आत्मविश्वास की भावना बढ़ती है। माता-पिता को अपने बच्चों के परियोजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने, विचारों के बारे में चर्चा करने एवं समर्थन देने का अवसर प्राप्त होता है। बच्चों द्वारा बहुत सुंदर-सुंदर मॉडल एवं चार्ट बनाए गए। पाइथागोरस थ्योरम, अलजेब्रिक एक्सप्रेशन, स्क्वायर एंड क्यूब्स, 2डी और 3डी शेप्स, रोमन नंबर्स, विद्युत निक्षेपण जल चक्र, अंग्रेजी और हिंदी में संज्ञा, विशेषण, मुहावरे और लोकोक्तियां आदि के चार्ट और मॉडल बनाएं। आज के कार्यक्रम अभिभावकों की भीड़ ही उमड़ पड़ी और बच्चों के मॉडल देखकर उनकी प्रशंसा की। स्कूल प्रबंधक कमेटी सदस्यों एवं शिक्षकों ने अभिभावकों का स्वागत किया गया । अभिभावकों ने अपने बच्चों को विश्लेषण करते हुए देखा और भाव विभोर हो उठे ।

कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी सरकार को महंगी पड़ेगीः सेवाराम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

सर्वकर्मचारी संघ,हरियाणा ने सीधे-सीधे सरकार को आगाह करते हुए कहा है कि कर्मचारियों की मांगों की अनदेखी सरकार को बहुत महंगी पड़ेगी।उपरोक्त ब्यान सर्वकर्मचारी संघ,हरियाणा के जिला सचिव सेवा राम बड़सर ने देते हुए कहा कि सरकार अहम में ना रहे,वरना आने वाले दिनों में प्रदेश भर के कर्मचारी सरकार को आईना दिखाने का काम करेंगे,आगामी 26 जुलाई को जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा,जिसके लिए तैयारियां की जा रही।उन्होंने दावा किया 26 जुलाई का रोष प्रदर्शन ऐतिहासिक होगा ।उपरोक्त जानकारी देते हुए संघ के जिला प्रवक्ता कृष्ण कुमार निर्माण ने बताया कि सर्वकर्मचारी संघ आज प्रदेश भर के कम्प्यूटर टीचर और लैब सहायकों के प्रदर्शन को समर्थन करने के लिए पहुँचा था।इस अवसर पर संघ के जिला प्रवक्ता कृष्ण कुमार निर्माण ने कहा कि सरकार को चाहिए कि समय रहते हुए कर्मचारियों की मांगों का समाधान किया जाए।

जिले के 182 प्राथमिक विद्यालयों में बनेंगे स्मार्ट क्लासरूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

- नीलोखेड़ी ब्लॉक के 120 अध्यापकों को दिया गया प्रशिक्षण: पूजा मोयल

जिला संपर्क को-ऑर्डिनेटर पूजा मोयल ने बताया कि जिले के 182 प्राथमिक विद्यालयों में संपर्क फाउंडेशन द्वारा डिजिटल स्मार्ट क्लासरूम तैयार किए जा रहे है जिनमे एनिमेशन विडिओ और डिजिटल कंटेन्ट द्वारा अंग्रेजी, हिन्दी, गणित और विज्ञान विषयों को पढ़ाया जाएगा।

इसके लिए अध्यापकों को इन उपकरणों को प्रयोग करने के लिए प्रशिक्षण शिविर शुरू हो चुके हैं जिसमे पहले चरण में खंड नीलोखेड़ी के 120 अध्यापकों ने आज यहाँ प्रशिक्षण प्राप्त किया । इस अवसर पर बी.इ.ओ. सतपाल बग्गा और बी.आर.सी. धर्मपाल उपस्थित रहे । प्रशिक्षण जिला संपर्क को-ऑर्डिनेटर कु. पूजा मोयल द्वारा प्रदान किया गया । उन्होंने बताया कि नए सॉफ्टवेयर डिवाइस में नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप छात्र छात्राओं के लिए रोचक एनिमेटिड पाठ्य सामग्री दी गई है जो कक्षा 1 से 5 तक का एफ.एल.एन. (सभी विषय) और कक्षा 6 से 8 तक फन विद साइंस शामिल करती है । साथ ही इसमें जवाहर नवोद्य विद्यालय और सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा की तैयारी कोर्स भी उपलब्ध हैं जो कि अंग्रेजी और हिन्दी दोनों माध्यमों में उपलब्ध है । अगले चरण में जिले के शेष पाँच खंडों पर अध्यापकों का प्रशिक्षण 15 जुलाई से दिया जाएगा । इस अवसर पर विवेक कुमार जिला संपर्क विज्ञान को-ऑर्डिनेटर, पल्लवी जिला संपर्क को-ऑर्डिनेटर पानीपत, पूजा बी.आर.पी., सहदेव बी.आर.पी., प्रवीण बी.आर.पी., सोहन ए.बी.आर.सी. और लिपिक सुरेंद्र चौधरी का विशेष योगदान रहा ।

2.5 लाख की लागत से लगाए फलदार और छायादार पौधे

सौंकड़ा को पेड़-पौधे से हरा-भरा कर रही पंचायत

- स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण में नंबर-1 पर होगा गांव सौंकड़ाः भूपेंद्र सिंह लाडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

तरावड़ी। गांव सौंकड़ा मे सरपंच प्रतिनिधि भूपेंद्र सिंह लाडी पौधारोपण करते हुए।

परिश्रम कभी बेकार नहीं जाता। सच्ची लगन ओर मेहनत से किया कार्य अवश्य सफल होता है। ऐसा ही कार्य नीलोखेड़ी विधानसभा में स्थित गांव सौंकड़ा की ग्राम पंचायत कर रही है। न केवल गांव सौंकड़ा को हरा भरा रखने के लिए अढ़ाई लाख रुपए के फलदार ओर छायादार पौधे लगाए गए, ब्लकि गांव में निकासी व्यवस्था को भी सुचारू करवाया गया है। इसके अलावा भी गांववासियों को प्राथमिकता से सभी सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही हैं। ग्राम पंचायत सौंकड़ा के सरपंच प्रतिनिधि भूपेंद्र सिंह लाडी ने पंचों और गांववासियों के साथ मिलकर गांव में अढ़ाई लाख रुपए की लागत से खरीदे गए पौधे लगाए और उनकी रक्षा करने का भी संकल्प दिलाया। उन्होंने बताया कि गांव सौंकड़ा को हरा भरा रखने के साथ-साथ पर्यावरण भी स्वच्छ रखा जाऐगा। उन्होंने बताया कि गांव सौंकड़ा में अलग-अलग जगहों पर बोतलपाम समेत अच्छी क्वालिटी के पौधे लगाए गए। इसके अलावा नीम ओर पीपल के छायादार पौधों समेत फलदार पौधे भी लगाए गए। काबिलेगौर है कि ग्राम पंचायत सौंकड़ा के सरपंच प्रतिनिधि भूपेंद्र सिंह लाडी ने गांव को हरा-भरा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। गांव की मुख्य सडक़ के दोनों ओर सुंदर-सुंदर फूलों के पेड़ लगाकर सुंदरता को जन्म दिया हुआ है। पेड़-पौधों की सुंदरता को देखकर गांव की शोभा चार गुणी बढ़ गई है। बता दें कि गांव में सुंदरता एवं स्वच्छता को बनाए रखने के लिए ग्रामवासियों के सहयोग से अहम कदम उठाए जा रहे है। सरपंच प्रतिनिधि भूपेंद्र सिंह लाडी ने कहा कि उनका गांव सौंकड़ा हरा-भरा ओर स्वच्छ एवं सुंदर दिखे ये ही मेरा सपना है। स्वच्छता के कारण गांव का सुंदरीकरण बहुत अच्छा लगता है गांव का निवासी शहर जाने की बजाय गांव में ही रहना पसंद करता है। सरपंच भूपेंद्र सिंह लाडी ने कहा कि गांव में स्कूल, तालाब, सरकारी कार्यालयों में भी पौधे लगाए जाऐंगे।

खबर संक्षेप

एसडीओ को धमकी देने वाला पकड़ा

पानीपत। थाना इसराना पुलिस ने पंचायत राज खंड इसराना के एसडीओ सत्यप्रकाश मलिक को सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने और फोन पर वॉटसअप कॉल कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में शुक्रवार को दी हुड्डा कॉपरेटिव सोसायटी के संचालक अनिल निवासी गांव घुसकानी जिला रोहतक को गिरफ्तार कर लिया है।

ठगी के दो आरोपी पकड़े, केस दर्ज

पानीपत। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने घर बैठे पार्ट टाइम जॉब दिलाने के नाम पर मॉडल टाउन निवासी महिला से 5 लाख 71 हजार 925 रुपये की ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों रवि पुत्र प्रकाश व अशोक पुत्र ओम प्रकाश निवासी असंध, करनाल को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने चोरी का आरोपी पकड़ा

पानीपत। सीआईए टू पुलिस टीम नेफ्था क्रैकर रोड पर सिठाना गांव के नजदीक स्थित प्लांट में खड़े ट्रकों, पोकलेन मशीन, जनरेटर व जेसीबी मशीन से बैटरी चोरी करने वाले आरोपी अमित निवासी गांव पाढा जिला करनाल को कैथल जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर आई। सीआईए टू प्रभारी सब इंस्पेक्टर संदीप ने बताया कि आरोपी अमित पेशेवर अपराधी है और उसके खिलाफ विभिन्न थाना में चोरी, लूट, डकैती की वारदातों के करीब 24 अभियोग दर्ज है।

पुलिस ने स्नेचिंग का आरोपी पकड़ा

पानीपत। सीआईए वन पुलिस टीम ने देशराज कॉलोनी में घर के बाहर गली में घुम रहे चेतन्से मोबाइल फोन छीनने की वारदात में शामिल फरार तीसरे आरोपी रवि निवासी हरिसिंह कॉलोनी को गिरफ्तार किया है। उक्त वारदात बारे थाना तहसील कैंप में राजकपूर पुत्र ओमप्रकाश निवासी भोला चौक देशराज कॉलोनी की शिकायत पर अभियोग दर्ज है।

दो चोरों से तीन बाइक बरामद

पानीपत। सीआईए वन पुलिस टीम ने बाइक चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले दो शातिर चोर कृष्ण पुत्र उमर सिंह व मोनू पुत्र जगपाल निवासी गांव पूंडरी जिला करनाल को गिरफ्तार किया है। सीआईए वन प्रभारी सब इंस्पेक्टर महिपाल सिंह ने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई तीन बाइक बरामद है।

दोस्त को गोली मारी, केस दर्ज

पानीपत। पानीपत में बीड़ी न देने को लेकर हुए विवाद में दीपक निवासी तहसील कैंप को उसके दोस्त अंकुश ने ही गोली मार दी। आरोपी घायल दीपक को अपनी कार में डालकर पानीपत के सिविल अस्पताल ले गए। आरोपियों ने दीपक को अस्पताल के मेन गेट के बाहर सड़क पर फैंक दिया और फरार हो गया।

शिव मंदिर में मां के नाम पौधे रोपे

पानीपत। पानीपत के गांव छाजपुर खुर्द शिव मंदिर में प्रधानमंत्री मोदी की पौधरोपण मुहिम एक पेड़ मां के नाम को आगे बढ़ाते हुए शिक्षाविद एवं पर्यावरण प्रहरी डा.हितेश चंद शर्मा ने नस्ली आडू का पौधा अपनी मां के नाम रोपित किया तथा जल सिंचन कर उसे बड़ा करने तक देखभाल की भी प्रतिज्ञा की। वहीं अपने जन्मदिन पर एक कलम चढ़ा बड़ा पेड़ नाशपाती का भी शिव मंदिर परिसर में लगाया।

केंद्र सरकार अग्निवीर हितैषी

पानीपत। नार्थ इंडिया एंटी करपशन एंड क्राइम प्रीवेंशन आग्रेनाइजेशन की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष यशपाल मलिक की अध्यक्षता में लतीफ गार्डन स्थित कार्यालय में हुई। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा बीएसएफ व सीआईएसएफ में अग्निवीरों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का स्वागत किया गया।

पैक्स की व्यवसायिक क्षमता बढ़ाने से किसान समेत हर वर्ग को होगा फायदा

किसानों की सुख-समृद्धि के लिए पैक्स को मजबूत करें : महिपाल

केंद्र सरकार ने निर्देश दिए कि पैक्स के जरिए सीएचसी व गैस एजेंसी भी चलाई जा सकती हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इसराना

इसराना। सहकारी मंत्री महिपाल ढांडा का फूल भेंट कर स्वागत करते हुए रोशन लाल माहला। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा के विकास पंचायत एवं सहकारिता मंत्री महिपाल ढांडा ने रविवार को आयोजित जिले के गांव मांडी में प्राइमरी एग्रीकल्चर कोऑपरेटिव सोसाइटी (पैक्स) द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में संबोधित करते हुए कहा कि किसान की मजबूती पैक्स की मजबूती के साथ जुड़ी है। जब तक पैक्स मजबूत नहीं होगा किसान मजबूत नहीं होगा। पैक्स कर्मचारी ज्यादा से ज्यादा कार्य करके पैक्स को और मजबूत बनाएं। पैक्स की मजबूती से किसान की मजबूती का सीधा संबंध है। वहीं, मंत्री ने ग्रामीणों व टैक्स कर्मचारियों द्वारा दी गई मांगो की फिजिबिलिटी चेक करवा कर उनका अध्ययन करके पूरा करने का आश्वासन दिया। मंत्री ढांडा ने कहा कि उन्होंने पैक्स के बारे में अधिकारियों से बैठक कर चर्चा की व कैसे इसको मजबूत बनाया जा सकता है पर गहन विचार किया। वहीं उन्होंने कहा कि पैक्स का गठन इसलिए किया गया था ताकि ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा किसानों को इसका लाभ पहुंचे। ज्यादा से ज्यादा लोग इसके साथ जुड़े। मंत्री ने बताया कि 720 पैक्स में कुछ पैक्स ऐसी है जो घाटे में चल रही है। उन पर ध्यान दिया जा रहा है। उनको प्रॉफिट में लाना पैक्स कर्मचारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने निर्देश दिए कि पैक्स के जरिए सीएचसी व गैस एजेंसी भी चलाई जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि जब पैक्स मजबूत होगा तो हमें किसी दूसरों की तरफ देखने की आवश्यकता ही महसूस नहीं होगी। बहुत सी मांगों को हम पैक्स के जरिए भी पूरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट लगा कर पैक्स के माध्यम से कर्मचारी कार्य करें व इसे और मजबूत बनाने का संकल्प लें। कार्यक्रम में पैक्स के चेयरमैन दिलबाग सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता रंजीता कौशिक, टेकराम, बलवान, सुभाष, अभय के अलावा ग्रामीण व पैक्स कर्मचारी उपस्थित रहे। हरियाणा के विकास पंचायत एवं सहकारिता मंत्री महिपाल ढांडा ने अपने संबोधन में भाजपा के जिला महामंत्री रोशनलाल माहला के संबंध में कहा कि वे, पार्टी के मेहनती कार्यकर्ता है और इसराना क्षेत्र में भाजपा के जनाधार को तेजी से बढा रहे है। वहीं पार्टी को माहला से इसराना हलके में भाजपा के उज्ज्वल भविष्य की काफी उम्मीदें है। माहला को इसराना क्षेत्र में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा का और तेजी से प्रचार प्रसार करते हुए जनता को अधिक से अधिक संख्या में पार्टी से जोडना चाहिए। उन्होंने कहा कि माहला को पार्टी के लिए की गई मेहनत का श्रेष्ठ फल भी मिलेगा।

प्रशिक्षु वाहन चालक ले रहे हैं प्राथमिक चिकित्सा की ट्रेनिग

- दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को सही समय पर प्राथमिक सहायता देकर किसी भी जान को बचाया जा सकता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत जिला रेडक्रास सोसाइटी के सचिव गौरव रामकरण की देख-रेख में जीटी रोड स्थित रेडक्रास भवन के प्रांगण में कंडक्टरों व ड्राइवरों की भर्ती के मध्देनर जिला प्रशिक्षण अधिकारी हरमेश चन्द की अगुवाई में 120 युवाओं को प्राथमिक सहायता का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। सचिव गौरव रामकरण ने बताया कि सैंट जॉन एम्बुलेंस एसोसिएशन, पानीपत कार्यालय रेडक्रास द्वारा कंडक्टरों व ड्राइवरों के पदों की भर्ती के मध्देनजर प्राथमिक सहायता का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। उन्होंने बताया कि यदि प्रशिक्षु शैक्षणिक योग्यता पूर्ण करता है तो प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण उपरांत सफल अभियार्थी अपना लाइसेंस बनवाकर उक्त पदों हेतु अप्लाई कर सकते है। वहीं, जिला प्रशिक्षण अधिकारी हरमेश चन्द ने बताया कि प्रतिभागियों को प्राथमिक सहायता प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बताया कि दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को सही समय पर प्राथमिक सहायता देकर किसी भी जान को बचाया जा सकता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति को प्राथमिक सहायता का ज्ञान हो तो सड़क दुर्घटनों में होने वाली मृत्युदर को कम किया जा सकता है। इस दौरान प्राथमिक सहायता प्रवक्ता कला भारद्वाज ने प्रतिभागियों को जलने-झुलसने के कारणों व बचाव, गले में कोई वस्तु फंस जाये, तो उसे कैसे निबटें के बारे जानकारी प्रदान की गई।

भाजपाइयों ने माताओं के नाम पर पौधे रोपे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत के गांव नोहरा में भाजपा अनुसूचित मोर्चा पानीपत में पौधरोपण एक पौधा मां के नाम मंडल अध्यक्ष सुखविंदर द्वारा प्रोग्राम किया गया। जिसकी अध्यक्षता भाजपा अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष रविंद्र तौशामर द्वारा की गई। पर्यावरण को ग्लोबल वामिंर्ग से बचाने के लिए व पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अभियान एक पौधा मां के नाम को आगे बढ़ाते हुए गांव नोहरा में मंडल अध्यक्ष सुखविंद्र द्वारा मुख्य अतिथि ईश राणा, रविंद्र तौशामर, अनिल खत्री ज़िला महामंत्री अनुसूचित मोर्चा, कृष्ण लाल नोहरा ज़िला उपाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा व डॉ संजय चहल, मोहित पूनिया ने कहा कि आज के समय में प्रदूषण की गंभीर समस्या से बढ़ते हुए कारखाने, वाहनों व अन्य यंत्रों से निकले प्रदूषण से बचने के लिए मात्र अधिक से अधिक पौधे रोपे।

विश्व भारती विद्या निकेतन के बच्चों को बांटे पौधे

पानीपत। विश्व भारती विद्या निकेतन देशराज कॉलोनी में स्वदेशी जागरण मंच के सहयोग से विद्यार्थियों को पौधे वितरण का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनके देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। बच्चों ने भी पूरा आश्वासन दिया कि हम एक-एक पेड़ अवश्य लगाएंगे और उसकी सेवा भी करेंगे। इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच की तरफ से नितिन नागपाल, जितेंद्र गुप्ता, गुलशन बत्रा, सौरभ पोपली और विद्यालय के प्रबंधक अवनीश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण जितना अधिक होगा, मानवता उतनी सुखी होगी।

पानीपत रिफाइनरी ने 26वां स्थापना दिवस मनाया

- ईडी और आरएच, एमएल डहरिया के नेतृत्व में टीम को बधाई दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। पानीपत रिफाइनरी स्थापना दिवस पर केक काटते हुए अधिकारी व कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

पानीपत। इंडियनऑयल की प्रमुख और सबसे बड़े एकीकृत पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स, पानीपत रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स (पीआरपीसी) ने उत्साह और जोश के साथ अपना 26वां स्थापना दिवस मनाया। वहीं, एम एल डहरीया, कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख, पीआरपीसी ने अपने सभी सहयोगियों एवं उनके परिजनों को पीआरपीसी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी। जबकि सेंथिल कुमार एन, निदेशक (पाइपलाइंस) अतिरिक्त प्रभार निदेशक रिफाइनरी ने रिफाइनरी मुख्यालय, दिल्ली से वर्चुअली जुड़ कर पानीपत रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स (पीआरपीसी) के 26वें स्थापना दिवस समारोह की बधाइयां दी। उन्होंने ईडी और आरएच, एमएल डहरिया के नेतृत्व में टीम को बधाई दी। समारोह में रिफाइनरी मुख्यालय और पानीपत रिफाइनरी ने वर्चुअली जुड़ कर एक साथ केक कटिंग करके पीआरपीसी दिवस मनाया। इधर, एम एल डहरिया, कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख ने, मुख्य-महाप्रबंधकगण, वरिष्ठ अधिकारियों, अधिकारी संघ एवं कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पीआरपीसी शपथ दिलाई। उन्होने इस शपथ के द्वारा पीआरपीसीएन्स से पीआरपीसी परिसर को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए समर्पण, दृढ़ता और जुनून के साथ अपना काम जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

पानीपत-कुराड हाईवे के निर्माण में किसान व एचएसआईडीसी आमने-सामने

पानीपत। पानीपत-हरिद्वार हाईवे पर कुराड़ फार्म से पानीपत सिटी के संजय चौक तक बनने वाली चार लेन हाईवे के निर्माण में रास्ते में पड़ने वाले गांव छाजपुर खुर्द के किसान व एचएसआईडीसी के अधिकारी आमने-सामने आ गए हैं। अधिकारी जहां सरकारी जमीन पर किसानों का अवैध कब्जा बता रहे हैं तो वहीं किसान सरकार पर पंचायती जमीन को जबरदस्ती कब्जाने का आरोप लगा रहे हैं। गांव छाजपुर खुर्द निवासी किसान सतपाल रावल व सोमपाल रावल ने बताया कि हरिद्वार हाईवे से जुडने वाले करीब 10 किलोमीटर की लंबी सडक को फिलहाल पानीपन के संजय चौक से कुराड़ फार्म तक बनाया जा रहा है। जो उनके गांव छाजपुर खुर्द से होकर गुजरती है।

नशा जीवन में मजा नहीं बल्कि सजा दिलाने वाला गुप्त शत्रु : ललिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। नशा मुक्ति अभियान में भाग लेते हुए नारी शिक्त। फोटो :हरिभूमि

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बापौली शाखा द्वारा जिले में सात दिवसीय नशा मुक्त भारत अभियान चलाया गया। इस दौरान जागरूकता अभियान वैन को बतौर मुख्यातिथि जोन निदेशक बीके भारत भूषण व सरपंच बापौली डिंपल रावल ने बापौली केंन्द्र संचालिका बीके ललीता के साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बीके ललिता ने बताया कि नशा मुक्ति जागरूकता वैन खंड के करीब 25 गांवों में जाकर चौक-चौराहों व स्कूलों में बच्चों व ग्रामीणों को नशे के प्रति जागरूक करेगी। नशा जीवन में मजा नहीं बल्कि सजा दिलाने वाला वह गुप्त शत्रु है। जिसे आज का मानव अपना दोस्त समझ रहा है। समाज को ऐसे शत्रु से बचाना है तो मनुष्य के अंदर छिपी हुई अच्छाइयों को उसे पहचानना होगा। जिसमें राजयोग अति कारगर सिद्ध हुआ है। राजयोग के कुछ कारगर टिप्स देते हुए उन्होंने कहा कि संपूर्ण देश में चलाए जा रहे नशामुक्त भारत अभियान को सहकारी और गैर-सहकारी संगठनों से सकारात्मक सहयोग मिल रहा है। लोग तेजी से अभियान से जुड़ रहे हैं। हजारों लोगों ने इन कार्यक्रमों से जुड़कर नशामुक्ति का संकल्प लिया है। लोगों की सेवा केंद्रों के माध्यम से काउंसलिंग कर नशा छुड़ाया जा रहा है। सरपंच डिम्पल रावल ने कहा कि परमात्मा की हम बच्चों से आस है कि मेरे लाड़ले बच्चे तुम्हें स्वयं का उद्धार कर जग परिवर्तन के कार्य में अपना सहयोग देना है। इस मौके पर बीके मोनिका, बीके दिव्य, रामधन, रमेश व भोपाल आदि मौजूद रहे।

शहीद मेजर आशीष के परिवार में बढ़ता जा रहा है कलेश

पानीपत। शहीद मेजर आशीष धौंचक का पारिवारिक विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। शहीद धौंचक की वीरांगना ज्योति पर उनकी सास कमला ने प्रेस वार्ता कर गंभीर आरोप लगाए है। शहीद मेजर आशीष की मां कमला ने कहा कि उनकी बहू ज्योति ने आरोप लगाए हैं कि घर में ननद और ननदोई की चलती है। वे अपने परिवार सहित इसी घर में ही रहते हैं। कमला ने कहा कि इसकी सच्चाई ये है कि मेरी बेटियों और उनके पतियों की लोकेशन चेक करवा ली जाए। वे जून माह के अलावा यहां पर कभी नहीं रहे। इसके अलावा बहू का आरोप है कि उससे कभी फोन पर बात नहीं की गई। पोती का कभी हाल चाल नहीं जाना। कमला ने कहा कि उन्होंने हमेशा कॉल की है, बहू ने ही कभी बात करना पसंद नहीं किया। उसने कभी पोती से भी बात नहीं करवाई।

कांग्रेस ने हमेशा नारी हित में कार्य किए : कुंडू

- युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सचिन ने कार्यक्रम कर महिलाओं का आभार जताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। हरियाणा युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सचिन कुंडू ने शनिवार को शगुन बैंकट हाल में पानीपत ग्रामीण हलका के महिला आभार अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें समस्त ग्रामीण हलके के सभी गांवों व कॉलोनियों की महिलाओं ने हजारों की संख्या में भाग लिया। वहीं सचिन कुंडू ने कार्यक्रम में पहुंची सभी महिला कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर कांग्रेस प्रत्याशी दिव्यांशु बुद्धिराजा को वोट दिया और सभी मतदाताओं की बदौलत कांग्रेस प्रत्याशी को इस बार ग्रामीण हलके से 61 हजार से भी ज्यादा वोट मिले है। लेकिन प्रदेश में अब जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले है। कांग्रेस ने हमेशा नारी हित में कार्य किए। पानीपत ग्रामीण हलके की महिलाओं ने विधानसभा चुनाव में भी महिला विरोधी इस भाजपा सरकार को बाहर का रास्ता दिखाकर कांग्रेस प्रत्याशी को भारी मतों से जीता कर विधानसभा में भेजना है ताकि ग्रामीण हलके के लोगों के हकों की आवाज को विधानसभा में बुलंद किया जा सके।

समालखा में अवैध कॉलोनी पर चला पीला पंजा

समालखा। जिला नगर योजनाकार अधिकारी ने बताया कि समालखा में विकसित हो रही अवैध कालोनियों तथा अवैध निर्माण को शुरूआत में ही ध्वस्त करने के लिए उपायुक्त वीरेंद्र दहिया के निर्देश पर अभियान चलाया गया है। जिसके तहत मनाना रोड के साथ लगती करीब पांच एकड़ में विकसित की जा रही अवैध कालोनी में चारदीवारी व कच्चे रास्तों को ध्वस्त किया गया। उन्होंने डीटीपी ने आमजनता से अपील करते हुए कहा कि अवैध कॉलोनियों में भूमाफियाओं के बहकावे में आकर प्लॉट न खरीदें व अपनी मेहनत की कमाई को बर्बाद न होने दें। अवैध कालोनी में सरकार द्वारा किसी भी प्रकार की सुविधा नहीं दी जाती। इसके अलावा प्लॉट लेने से पहले यह जरूर जांच ले कि कॉलोनी निर्माण करने के लिए सरकार द्वारा अनुमति ली गई है या नहीं।

औद्योगिक हुडा सेक्टर 29 में सीवर क्लीनिंग रोबोटिक मशीन व डीप ट्यूबवेल का शुभारंभ

उद्यमियों की हर समस्या का हल प्राथमिकता से होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

पानीपत। पानीपत के उद्यमियों को रोबोटिक मशीन की चाबी सौंपते हुए भाजपा नेता हरपाल ढांडा। फोटो :हरिभूमि

इंडस्ट्रियल एस्टेट एसोसिएशन, औद्योगिक हुडा सेक्टर 29, में शनिवार को सीवर क्लीनिंग रोबोटिक मशीन एवं डीप ट्यूबवेल उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि हरियाणा के विकास एवं पंचायत व सहकारिता मंत्री महीपाल ढांडा के बड़े भाई हरपाल ढांडा रहे। वहीं, ढांडा ने रोबोटिक मशीन एवं डीप ट्यूबवेल का उद्घाटन नारियल तोडकर किया। इंडस्ट्रियल एस्टेट एसोसिशन के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि हरपाल ढांडा का पगड़ी व पटका पहनाकर सम्मान किया। वहीं एसोसिएशन के प्रधान श्रीभगवान अग्रवाल ने सेक्टर की समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि सीवर के मेन हाल की सफाई रोबोटिक मशीन से होने से सीवर जाम की समस्या से निजात मिलेगी। वहीं पीने के पानी की समस्या भी गंभीर बनी हुई थी, दो डीप ट्यूबवेल लग जाने से पीने के पानी की समस्या से भी निजात मिल जाएगी। सेक्टर 29 में दो सीटीपी प्लांट लगे हुए हैं जो सेक्टर की इंडस्ट्री के लिए उपयुक्त हैं। वहीं, सेक्टर से बाहर की इंडस्ट्री का पानी इन एसटीपी प्लांट से जोड़ दिया गया है। जिससे सेक्टर की इंडस्ट्री को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एक एसटीपी प्लांट सेक्टर की बाहरी इंडस्ट्री के लिए लगाया जाए। श्री भगवान ने बताया कि महाराजा अग्रसेन चौक से जीटी रोड तक बाईपास रोड पिछले 5 सालों से नहीं बना है। लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग का निर्माण शीघ्र करवाया जाए। वहीं स्ट्रीट लाइट को जब से नगर निगम के पास रख रखाव गया है तब से स्थिति खराब हो रही है। सेक्टर अंधेरे में डूबा रहता है। स्ट्रीट लाईट को ठीक कराया जाए। 2018 में बरसाती नाला का निर्माण किया गया था। जिसे आधा ही बनाकर छोड़ दिया गया है। उस अधूरा नाला को बनवाया जाए। वहीं सेक्टर का सौंदर्य बढ़ाने के लिए फ्लोरा चौक से जीटी रोड तक सडक को डबल बनाया जाए। पौने दो एकड़ डिस्पेंसरी की जमीन से अतिक्रमण हटवाकर डिस्पेंसरी एवं कम्युनिटी सेंटर का निर्माण करवाया जाए। श्री ढांडा ने इन सभी मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि मैं भी एक व्यापारी हूं और उनकी सभी समस्याओं को दूर करवाने के लिए मंत्री महिपाल से सिफारिश करूंगा। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि औद्योगिक क्षेत्र को पूरी सुविधाएं मिले, क्योंकि औद्योगिक इकाइयां ही विकास की धूरी हैं। इसलिए सरकार भी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए उन्हें अधिक से अधिक सुविधाएं देने के प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि रोबोटिक मशीन से सीवर के मेन हाल की सफाई का काम होने से सीवर जाम की समस्या से छुटकारा मिलेगा। वहीं ट्यूबवेल लग जाने से भी पीने के पानी की समस्या भी औद्योगिक क्षेत्र से दूर होगी। पूर्व पार्षद शकुंतला गर्ग ने भी उद्यमियों की मांगों का समर्थन करते हुए से शीघ्र दूर करवाने का अनुरोध किया। इस अवसर पर पौधारोपण का भी कार्यक्रम किया गया। जिसमें उपस्थित सभी मुख्य अतिथि व उद्यमियों ने अपने-अपने हाथों से सैकड़ों पौधे रोपे। एसोसिएशन के संरक्षक पुरुषोत्तम शर्मा, श्याम सुंदर, रोटरी सेंट्रल के प्रधान राजीव सेठ, सचिव संजीव गर्ग, मुकेश गुप्ता, अनिल बंसल, पानीपत डायर्स एसोसिएशन के प्रधान नितिन अरोरा, विनित शर्मा व अखिल चोपड़ा आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना मुलाना क्षेत्र से चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपी मोहित कुमार को गिरफ्तार किया है। शेरपुर के चनन सिंह ने 12 जुलाई 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि 11 जुलाई 2024 को गांव शेरपुर से आरोपी मोहित कुमार ने उसके घर से पानी की मोटर चोरी कर ली है।

मारपीट के मामले में आरोपी शामिल जांच

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी गुनदीप सिंह को शामिल जांच किया है। कैथ माजरी के भूपेंद्र सिंह ने 4 जुलाई 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी गुनदीप सिंह व अन्य ने उससे मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी है।

मौत के मामले में आरोपी शामिल जांच

अंबाला। थाना मुलाना में दर्ज सड़क दुर्घटना में हुई मौत के मामले में पुलिस ने आरोपी गुरसेवक सिंह को शामिल जांच किया है। सिरसगढ़ के राजबीर सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि 16 अप्रैल 2024 को रकबा दोसडका के पास आरोपी वाहन चालक ने लापरवाही व तेज गति से वाहन चलाते हुए उसके पुत्र अनिल कुमार को टक्कर मार दी थी। हादसे में उसके बेटे की मौत हो गई थी।

20 भारी वाहनों के चालान किए

अंबाला। ट्रैफिक नियमों की पालना न करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस निरंतर कार्रवाई कर रही है। शनिवार को पुलिस ने ऐसे 20 भारी वाहनों के चालान किए जोकि निर्धारित लेन की बजाय प्रतिबंधित लेन में वाहन चला रहे थे। पिछले कई महीने से पुलिस ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ अभियान चला रही है। अब तक लगभग 34,064 भारी वाहनों के चालान किए जा चुके हैं।

विवाहता रात को ससुराल से फरार

अंबाला। 19 वर्षीय विवाहिता रात को ससुराल से फरार हो गई। सुबह बहू घर से गायब मिली तो ससुराल वाले हैरान रह गए। उन्होंने अपनी रिश्तेदारी में भी बहू के बारे में पूछा, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा। सास ने पुलिस थाने पहुंच बहू के घर से फरार होने की रिपोर्ट की। पर पुलिस ने केस दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष जैन बोले राज्य सरकार की खुल गई पोल

शंभू बॉर्डर खोलने को लेकर सरकार ने व्यापारियों-किसानों से किया विश्वासघात

शंभू बॉर्डर खोलने की बजाय सुप्रीमकोर्ट पहुंचने पर कांग्रेस ने किया बड़ा हमला, कहा व्यापारियों व किसानों को लेकर सरकार की नीयत में खोट

हरिभूमि न्यूज ▸▸| अंबाला

शंभू बॉर्डर खोले जाने के खिलाफ राज्य सरकार के सुप्रीमकोर्ट में जाने पर कांग्रेस ने इसे व्यापारियों व किसानों के साथ विश्वासघात करार दिया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष एडवोकेट रोहित जैन ने इस मामले में राज्य सरकार को घेरते हुए कहा कि शंभू बॉर्डर खुलवाने को लेकर आए फैसले को सुप्रीमकोर्ट में चुनौती दिए जाने से भाजपा सरकार एक्सपोज हो गई है। उन्होंने कहा कि पिछले करीब छह महीने में सरकार ने कभी शंभू बॉर्डर को खोलने की कसरत ही नहीं की। सरकार को न तो किसानों की आवाज सुनाई दी न ही बर्बाद होते व्यापारियों का दर्द उसके कानों तक गया। शंभू बॉर्डर बंद होने से धक्के खा रहे राहगीरों की मुश्किलें भी कभी सरकार को नहीं दिखी। जैन ने कहा कि जिस तरह राज्य सरकार बॉर्डर खोलने के लिए खिलाफ सुप्रीमकोर्ट पहुंची है उससे साफ जाहिर है कि भाजपा सरकार शंभू बॉर्डर खोलने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि छह महीने से बॉर्डर पर बैठकर किसान शांति पूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं। वे अपनी मांगों को लेकर दिल्ली जाना चाहते हैं लेकिन हरियाणा सरकार ने केंद्र सरकार के इशारे पर उनके रास्ते में भारी भरकम बैरिकेड लगा दिए। किसानों के पांवों को छलनी करने के लिए नुकीलें कीलों के जाल बिछा दिए। उन्होंने कहा कि किसानों ने कभी शंभू बॉर्डर बंद नहीं किया। हरियाणा सरकार ने ही केंद्र के इशारे पर बॉर्डर को सील किया हुआ है। जैन ने कहा कि पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को 7 दिन में हाइवे खोलने के आदेश दिए थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने तो पहले ही आशंका जताई थी कि राज्य सरकार इस फैसले के खिलाफ सुप्रीमकोर्ट जाएगी। अब यह आशंका भी सच साबित हो गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ओर से अब शंभू बॉर्डर बंद होने से प्रभावित व्यापारियों के साथ आम जनता व किसानों का हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन राज्यपाल को सौंपा जाएगा।

अंबाला। व्यापारियों से ज्ञापन पर हस्ताक्षर करवाते हुए कांग्रेसी नेता।

होलसेल कपड़ा मार्केट बंद होने के कगार पर

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जैन ने कहा कि अंबाला की होलसेल कपड़ा मार्केट पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां करीब 3 हजार से ज्यादा दुकानें हैं। हर साल हरियाणा पंजाब के बीच कपड़े का करोड़ों का कारोबार होता है। उन्होंने बताया कि शंभू बॉर्डर बंद होने से अब यह मार्केट बंद की कगार पर है। इनके सामने व्यापार चलाने का संकट खड़ा हो गया है। अगर बार्डर न खुला तो अंबाला शहर की होलसेल कपड़ा मार्केट पर ताला लग जाएगा। तमाम कारोबारी बर्बाद हो जाएंगे। साथ में दस हजार से ज्यादा कर्मचारी बेरोजगार हो जाएंगे।

सरकार के खिलाफ शुरू किया अभियान

शंभू बॉर्डर तत्काल खुलवाने के लिए इस मुहिम में व्यापारियों को जोड़ने के लिए कांग्रेसी नेता रोहित जैन की अगुवाई में हस्ताक्षर अभियान भी शुरू किया गया। जैन ने कहा कि इस अभियान में आम जनता के साथ व्यापारियों व दुकानदारों भी शामिल किया जाएगा। जैन ने कहा कि भाजपा की राज्य में बेशर्म सरकार है जोकि जानबूझकर व्यापारियों को बर्बाद करने पर तुली है। यह सरकार पहले ही किसान विरोधी साबित हो चुकी है।

अंबाला। सरकार की नीतियों की लोगों को जानकारी देते कलाकार।

राज्य सरकार की उपलब्धियों का किया जा रहा है प्रचार

- सूचना जनसंपर्क भाषा एवं संस्कृति विभाग की ओर से चलाया जा रहा है अभियान

हरिभूमि न्यूज ▸▸| अंबाला

सूचना, जनसंपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग के महानिदेशक मनदीप बराड़ के निर्देशानुसार जिला के साथ-साथ प्रदेश में 31 जुलाई तक विशेष प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में प्रदेश सरकार की साढ़े 9 सालों की उपलब्धियों, नीतियों, योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इसके लिए विभागीय नियमित, अनुबंधित और सूचीबद्ध पार्टियां गांव-गांव में पहुंचकर लोगों को सरकार की योजनाओं की जानकारी दे रही है। जिला सूचना एवं जन संपर्क अधिकारी धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि गीतों व भजनों के माध्यम से कलाकारों द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, अटल मजदूर कैंटीन, बेटियों के हित में चलाई जा रही सुकन्या समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना, कन्यादान योजना, आपकी बेटी हमारी बेटी योजना, अंत्योदय अन्न योजना, जन औषधि केंद्र, आयुष्मान कार्ड, हैप्पी कार्ड जैसी करई योजनाओं के बारे जानकारी दी जा रही है। इसके साथ-साथ विभिन्न पोर्टल के माध्यम से सरकारी सेवाओं का घर बैठे मिल रहा लाभ के बारे में भी आमजन को जानकारी दी जा रही है। आमजन द्वारा विशेष प्रचार के माध्यम से कलाकारों द्वारा सरकार द्वारा क्रियान्वित योजनाओं बारे गीतों व भजनों के माध्यम दी जा रही जानकारी की सराहना की। विभागीय भजन मंडली द्वारा अब तक मोखामाजरा, ललाना, जलालपुर, चुडियाला, चुडियाली, दुबली, खानपुर, धुराला व दिनारपुर गांवों में गीतों व भजनों के माध्यम से सरकार की योजनाओं, परियोजनाओं एवं कार्यो के बारे में ग्राम वासियों को जानकारी दी गई। इस विशेष प्रचार अभियान के दौरान जिला के सभी गांवों और शहरों के वार्डों को कवर किया जाएगा।

जालंधर उपचुनाव में आप की जीत पर लड्डू बांटकर मनाया जश्न

- जीत के बाद प्रदेश में भी लाएंगे बदलाव : लौट

हरिभूमि न्यूज ▸▸| अंबाला

आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष करणवीर लौट ने शनिवार को अंबाला शहर विधानसभा के रोशनपुर गांव में बदलाव जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं को जालंधर उपचुनाव में लड्डू बांटकर आम आदमी पार्टी की जीत का ज़श्न मनाया। वहीं उन्होंने कहा कि जालंधर उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की जीत से बदलाव का रास्ता तय हो गया है और अगले बदलाव की शुरुआत अंबाला से होगी। उन्होंने कहा हरियाणा की बीजेपी सरकार पिछले दस साल से ही किसानों के विरोध में काम कर रही है। हाइकोर्ट के बॉर्डर खोलने के निर्णय के खिलाफ राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में जाकर ये दिखा दिया कि बीजेपी न तो व्यापारियों का हित चाहती है और न ही किसानों के हित में काम करना चाहती है। उनके साथ कुलदीप कुमार, दारा सिंह, बलकार सिंह, बलबीर सिंह, तिजेंद्र सिंह, सुखविंदर सिंह हैप्पी, रुल्दा खान समेत अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

अंबाला। पार्टी की जीत पर जश्न मनाते हुए कार्यकर्ता।

रोहतक के सांसद बाजारों में निकालेंगे पदयात्रा

- 16 को अंबाला शहर के बस स्टैंड से शुरू होकर अंबिका मंदिर पर खत्म होगी यात्रा, कांग्रेसी नेताओं ने यात्रा को लेकर किया लोगों से संपर्क

हरिभूमि न्यूज ▸▸| अंबाला

रोहतक के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा 16 को अंबाला शहर की होलसेल कपड़ा मार्केट में पैदल यात्रा करेंगे। कांग्रेस की ओर से यात्रा की तैयारियां हो चुकी हैं। पूर्व विधायक जसबीर मलौर , डिप्टी मेयर राजेश मेहता , हिम्मत सिंह व अमीषा चावला ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा चलाए गए हरियाणा मांगें हिसाब कार्यक्रम के तहत सांसद दीपेंद्र हुड्डा और सांसद वरूण चौधरी 16 को अंबाला शहर में शाम 4 बजे बस स्टैंड से लेकर विभिन्न बाजारों से होते हुए अंबिका मंदिर तक पदयात्रा करेंगें । कांग्रेस की तरफ से प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ 15 सवालों की चार्जशीट जारी की गई है । इस चार्जशीट और कांग्रेस पार्टी की घोषणाओं को जनता तक पहुंचाने के लिए हरियाणा मागें हिसाब कार्यक्रम पूरे हरियाणा प्रदेश में चलाया जा रहा है । इसके जरिए ना सिर्फ भाजपा सरकार की विफलताओं को उजागर किया जाएगा , साथ ही साथ कांग्रेस पार्टी के मैनिफेस्टो के लिए जनता के सुझाव लिए जाएंगे। जनता सवाल पूछना चाहती है कि देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी हरियाणा में क्यों है ? हरियाणा प्रदेश सबसे असुरक्षित प्रदेश क्यों है ? घर घर कैसे पहुँचा नशे और ड्रग्स का काला साम्राज्य? देश में सबसे ज्यादा महगांई हरियाणा में क्यों है ? भ्रष्टाचार के जनक व जनता के जी का जंजाल क्यों बने है जनविरोधी पोर्टल व आईडी ?भाजपा के 10 साल में हजारों करोड़ के 50 से ज्यादा बड़े घोटाले क्यों ? भाजपा काल क्यो बना किसानों का काल ? भाजपा ने दलितों और पिछड़ों की घोर उपेक्षा क्यों की ?अगिनवीर और कौशल रोजगार की वजह से सरकारी नौकरिया क्यों खत्म की ? हर वर्ग पर गोलियां और लाठिंया क्यों बरसाई? इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को शून्य पर क्यों ले आई भाजपा ? भाजपा ने 2014 और 2019 के चुनाव की घोषणाओं को पूरा क्यों नहीं किया ? भाजपा ने स्वास्थ्य सेवाओं का दीवालिया क्यों पीटा ? भाजपा ने शिक्षा तन्त्र को क्यों बर्बाद किया ? भाजपा ने हरियाणा प्रदेश की सबसे विकसित अर्थव्यवस्था को क्यों बर्बाद किया ? इन सब सवालों को मद्देनजर रखते हुए सांसद हुड्डा और सांसद वरूण चौधरी कार्यक्रम का आगाज करेंगे।

अंबाला। पदयात्रा को लेकर लोगों से संपर्क करते हुए कांग्रेसी नेता।

डॉमेस्टिक एयरपोर्ट से विमान सेवा जल्द शुरु करने के आदेश

- विज ने निर्माण को लेकर अधिकारियों से ली अपडेट
- अंबाला छावनी में चल रहे विकास कार्यों पर ही हुई चर्चा, अधिकारियों को दिए जरुरी निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▸▸| अंबाला

पूर्व गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने शनिवार को अपने आवास पर अंबाला छावनी में विकास कार्यों को लेकर डीसी डॉ. शालीन व अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान अनिल विज ने कहा कि अंबाला छावनी में आरसीएस उड़ान योजना के तहत विमान सेवा जल्द प्रारंभ हो। जिसका शहर वासियों को लाभ मिले। विज ने कहा कि छावनी में डोमेस्टिक एयरपोर्ट के टर्मिनल का निर्माण अधिकारी तय समय में पूरा करें। ताकि उड़ान सेवा को जल्द से जल्द प्रारंभ किया जा सके। निर्माण कार्यों को लेकर उन्होंने अधिकारियों से चर्चा की, तथा टर्मिनल में यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं व अन्य प्रबंधों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि टर्मिनल में यात्री व वीआईपी के लिए अलग से बैठने की सुविधा होनी चाहिए। इसके अलावा टर्मिनल के बाहर लाइटस, पार्किंग व अन्य प्रावधान भी तय समय में पूरे होने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्य को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए ताकि जल्द अंबाला से उड़ान सेवा देश के अन्य शहरों के लिए प्रारंभ हो सके। बैठक में पूर्व मंत्री अनिल विज ने अंबाला छावनी में चल रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए।

अंबाला। अधिकारियों से विकास कार्यों को लेकर विचार विमर्श करते पूर्व मंत्री अनिल विज

राहगीरी कार्यक्रम में कलाकार दिखाएंगे हुनर

- सीएम सैनी मुख्यअतिथि के तौर पर होंगे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▸▸| अंबाला

उपायुक्त डॉ. शालीन ने बताया कि रविवार को हर्बल पार्क के नजदीक आयोजित होने वाले राहगीरी कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि प्रातः 6 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ कार्यक्रम का आगाज होगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। उपायुक्त ने बताया कि यह सामाजिक कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में प्रशासन के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ-साथ आमजन की भागेदारी होगी। अधिक से अधिक लोग शामिल होकर इस कार्यक्रम की भव्यता बढाएंगे। उन्होंने बताया कि राहगिरी में नुक्कड़ नाटक, सडक़ सुरक्षा, पर्यावरण सुरक्षा, नशामुक्त जैसे विषयों पर अलग-अलग विभागों द्वारा जागरूकता फैलाने के लिए स्टॉल लगाई जाएंगी। इसमें पंचायत विभाग, पुलिस विभाग और रेडक्रॉस सोसाइटी अपनी भूमिका निभाएंगे। इसके साथ-साथ स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग द्वारा अपने स्टॉल लगाए जाएंगे और डॉक्टरों की टीम वहां मौजूद रहेगी।

महिला ने जुड़वा बच्चियों को दिया जन्म दोनों के शरीर अलग पर दिल एक

- चिकित्सकों ने बच्चियों को पीजीआई किया रेफर, वहां से बिना उपचार फिर रेफर किया नागरिक अस्पताल, परेशान परिजन घर ले गए बच्चियों को

हरिभूमि न्यूज ▸▸| अंबाला

अंबाला छावनी के नागरिक अस्पताल में एक महिला ने जुड़वां बच्चियों को जन्म दिया है। दोनों बच्चियों का शरीर अलग है लेकिन दिल एक ही है। महिला की डिलीवरी तो नॉर्मल हुई लेकिन बच्चियों की हालत बिगड़ गई। इसी वजह से चिकित्सकों ने बच्चियों को पीजीआई रेफर कर दिया है। हालांकि पीजीआई के चिकित्सकों ने नवजात बच्चियों को वापस अंबाला कैंट सिविल अस्पताल रेफर कर दिया। यहां से चिकित्सकों ने फिर पीजीआई रेफर किया। चिकित्सकों की हर हरकत से परेशान परिजन बच्चियों को अपने घर ले गए हैं। मूलरूप से बिहार के गांव समस्तीपुर का चुनचुन पत्नी शुकंतला के साथ अंबाला कैंट के हुड्डा सेक्टर-34 में किराये पर रहता है। प्रसव पीड़ा होने के चलते चुनचुन ने अपनी पत्नी शकुंतला को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां, शुकंतला के गर्भ में जुड़वां बच्चे होने की संभावना डॉक्टर ने जताई थी। जब नॉर्मल डिलीवरी हुई तो पता चला कि दोनों बच्चियों की छाती,पेट जुड़े हुए हैंलेकिन छाती से ऊपर का हिस्सा और पेट से नीचे का हिस्सा अलग-अलग है। डॉक्टरों के मुताबिक, डिलीवरी के बाद नवजात बच्चियों का अल्ट्रासाउंड कराया गया जिसमें खुलासा हुआ कि नवजात बच्चियों का शरीर अलग-अलग है, लेकिन दोनों का दिल एक है।

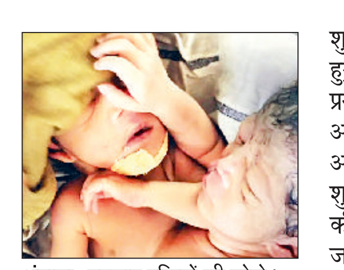

अंबाला। नवजात बच्चियों की फोटो।

भाजपा नेत्री ने पौधरोपण कर मनाया वन महोत्सव

बराड़ा। भाजपा नेत्री सोनिया परोचा ने 75 वां वन महोत्सव मनाने के उपलक्ष्य में पौधारोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 1950 से विश्व स्तर पर पर्यावरण दिवस मनाए जाने को 7 दशक से अधिक समय हो चुका है। इन वर्षों में मानव लालच ने पहाड़ों, जंगल, नदियों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों को अंधाधुंध नष्ट कर दिया है और मानव और प्रकृति के बीच की दूरी बढ़ा दी है। केवल चार दशकों में हमने अपनी धरती माँ को जलती भट्टी में बदल दिया है। अमृत की तरह बहती नदियों में विष घुल गए हैं। इस घटना ने मनुष्य को खुली हवा में सांस लेने में असक्षम बना दिया है। उन्होंने कहा, ₹जब हमारी आने वाली पीढ़ियों का विनाश हो रहा है, तो मनुष्य थोड़ा जागरूक हो रहा है। हम सब इस जागरूकता को बढ़ाएं। पर्यावरण दिवस, जल दिवस और पृथ्वी दिवस को केवल एक दिन तक सीमित न रखकर, इसे हर दिन मनाने का संकल्प लें।

बराड़ा। पौधरोपण करते हुए सोनिया परोचा।

काले कपड़े पहनकर सड़कों पर निकले कर्मचारी, सरकार के खिलाफ जमकर की नारेबाजी

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर कर्मचारियों ने सड़कों पर निकाला रोष मार्च

हरिभूमि न्यूज ▸▸| अंबाला

पेंशन बहाली संघर्ष समिति की ओर से शनिवार को पुरानी पैंशन बहाली को लेकर पंचायत भवन से लघु सचिवालय तक रोष प्रदर्शन किया।इस रोष प्रदर्शन में जिले के सभी विभागों के हजारों की संख्या में कर्मचारी शामिल हुए।कर्मचारी एक सुर में पुरानी पेंशन बहाली की मांग की।राज्य प्रधान विजेंद्र धारीवाल ने कहा कि सरकार प्रदेश के 2 लाख कर्मचारियों की जायज मांग और हक को बहाल करें। रोष प्रदर्शन एक सरकार के लिए एक चेतावनी मात्र है।अगर पुरानी पेंशन नीति बहाल नहीं की जाती तो पंचकूला में 1 सितंबर को लाखों की संख्या में कर्मचारी मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे।जिला प्रधान रमेश कुमार ने बताया कि पेंशन बहाली संघर्ष समिति लगातार 2018 से पुरानी पेंशन की लड़ाई लड़ रही हैं लेकिन सरकार ने अभी तक हमारी मांग को गंभीरता से नहीं लिया है।उन्होंने बताया कि जिला रोष प्रदर्शन सरकार के लिए एक ट्रेलर है। इसके बाद एक सितंबर 2024 को पूरे प्रदेश के सभी विभागों के कर्मचारी पंचकूला में मुख्यमंत्री आवास घेराव करेंगे जिसकी पूर्णता जिम्मेवारी सरकार की होगी।उन्होंने कहा कि सरकार को हमारी मांग पर गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए।यह 2 लाख एनपीएस पीड़ित कर्मचारियों और उनके परिवार के भविष्य का सवाल हैं। जिला महासचिव सुदेश कुमार ने कहा कि एनपीएस के तहत 500,700,1200,2000 महीना रुपये तक की पेंशन बन रही है जो कर्मचारियों के साथ एक भद्दा मजाक है। इस पेंशन से एनपीएस पीड़ित कर्मचारियों का गुजारा नहीं कर पा रहे है ।जिला संयोजक विजय कुमार ने कहा कि सभी एनपीएस कर्मचारी अपनी मांग के लिए एकजुट है।और आने वाले विधानसभा चुनाव में सभी कर्मचारी उस पार्टी को वोट करेंगे जो पार्टी उनकी पुरानी पेंशन बहाली का वायदा करेगी।राज्य उपप्रधान कमलदीप ने कहा कि सरकार द्वारा तय कमेटी को पुरानी पेंशन बहाली के संबंध जो आंकड़े उन्होंने मांगे थे दिए जा चुके हैंलेकिन सरकार ने उन आंकड़ों को न तो समझा और न ही गंभीरता से लिया। एक साल से हमारे साथ कोई बातचीत नहीं की।सरकार को पुरानी पेंशन नीति के बहाली के प्रति गंभीरता दिखानी होगी।

अंबाला। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर ज्ञापन देते व एकजुट कर्मचारी।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर राज्य कार्यकारणी से आनंद कंवर महिला विंग प्रभारी राज बाला कौशिक, जिला संयोजक विजय कुमार उपप्रधान सतबीर देसवाल, सोनू यादव, सतीश कुमार, तिलक सिंह, संदीप, ब्लॉक अम्बाला प्रधान हैप्पी पांचाल, ब्लॉक महासचिव दलबीर सिंह, राजकुमार, दलबीर, प्रवीण, प्रवेश, पूनम वर्मा, संतोष, शशि, उर्मिला, राजेश शर्मा, मदन लाल, प्रकाश, प्रवेश, लहरी सिंह, सहित सभी विभागों के कर्मचारी आक्रोश मार्च में शामिल रहे।

कुछ समय पहले तक माना जाता था कि अगर हमारा आईक्यू लेवल हाई है तो हम सबसे बुद्धिमान लोगों की श्रेणी में शामिल हैं। फिर इसमें ईक्यू और एसक्यू फैक्टर्स भी जोड़े गए। इन दिनों बुद्धिमत्ता के नए मानक एक्यू की दुनिया भर में चर्चा हो रही है। क्या है यह एक्यू पैमाना और इसे सबसे इंपॉर्टेंट क्यों माना जा रहा है? जानिए, विस्तार से।

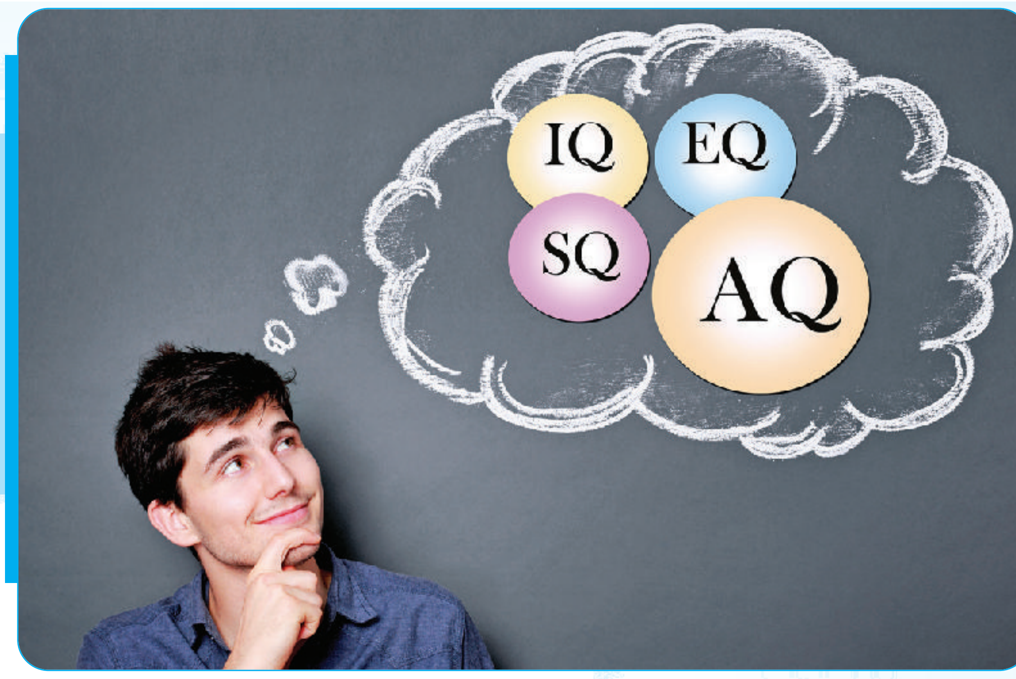

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

आईक्यू-ईक्यू-एसक्यू से भी इंपॉर्टेंट है हमारा एक्यू

अगर हम मानते हैं कि अलग-अलग लोगों में उनकी बुद्धि का स्तर अलग-अलग होता है, तो जाहिर है बुद्धि के मापने का कोई पैमाना भी होगा। साल 1912 में प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक विलियम स्टर्न ने बौद्धिक क्षमता मापने के पैमाने आईक्यू यानी इंटेलीजेंस कोशेंट का कॉन्सेप्ट दिया।

आईक्यू बताता है बौद्धिक क्षमता

आईक्यू पैमाने के मुताबिक हर व्यक्ति की मानसिक क्षमता का अलग-अलग स्कोर होता है। यही स्कोर या संख्या बताती है कि कोई व्यक्ति अपने समूह के दूसरे लोगों के मुकाबले कम बुद्धिमान है या ज्यादा। हालांकि बुद्धि की गणना का यह पैमाना अकसर विवादों में भी घिरता रहता है, क्योंकि जहां इस पैमाने के तहत महान वैज्ञानिक आइंस्टीन का आईक्यू 160 और न्यूटन का आईक्यू 190 माना जाता है, वहीं 1898 में न्यूयॉर्क (अमेरिका) में जन्मे विलियम जेम्स का आईक्यू 250 से 300 के बीच माना जाता है। दरअसल, अगर किसी व्यक्ति का आईक्यू 145 से 160 के बीच होता है, तो उसे जीनियस कहा जाता है। लेकिन विलियम जेम्स का आईक्यू तो 250 से 300 के बीच था, फिर उसे किस श्रेणी में रखा जाए? जेम्स में निःसंदेह असाधारणता के कुछ गुण थे। मसलन, 18 माह की आयु में ही उसने न्यूज पेपर पढ़ना शुरू कर दिया था, 9 साल की उम्र में उसने हार्वर्ड विश्वविद्यालय में दाखिला ले लिया था। माना जाता है कि उसने 40 भाषाओं में मास्टर डिग्री हासिल की थी। लेकिन इन कुछ चमत्कार से लगने वाले व्यक्तिगत गुणों के अलावा जेम्स के नाम कोई ऐसी खोज नहीं है, जिसने दुनिया को बदलकर रख दिया हो, जैसे आइंस्टीन और न्यूटन ने किया। बहरहाल, इस बहस के बावजूद यह भी तय है कि किसी और सटीक पैमाने के ना होने के कारण बुद्धिमत्ता को कोशेंट के पैमाने से तो परखना ही पड़ेगा।

मानसिक क्षमता के अन्य पैमाने

पिछले कुछ दशकों में अकेला आईक्यू ही किसी की मानसिक क्षमता को परखने का एकमात्र पैमाना नहीं रहा, क्योंकि मानसिक क्षमताओं की भी अलग-अलग परिस्थितियों में अलग- अलग तरह से परख होती है। इसलिए अब अलग-अलग मौकों में बुद्धिमत्ता की परख के लिए विभिन्न पैमाने भी इस्तेमाल में लाए जाते हैं। मसलन, आईक्यू के अलावा ईक्यू यानी इमोशनल कोशेंट। एसक्यू यानी सोशल कोशेंट और अब हाल के दिनों में बुद्धिमत्ता का एक नया पैमाना, जो पूरी दुनिया में काफी चर्चा में है, वह है एक्यू यानी एडवर्सिटी कोशेंट।

इन दिनों चर्चा में है एक्यू

एडवर्सिटी कोशेंट का मूल अर्थ, बुरे वक्त में दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है। यानी, कठिन समय में आप किस कुशलता से अपने को संभालते हुए सही निर्णय लेते हैं, किस कुशलता से अपने काम को अंजाम देते हैं? दरअसल, एक्यू का अर्थ ऐसे समय पर दर्शाई गई बुद्धिमत्ता से होता है, जब वाकई बहुत बुरा वक्त हो और सामान्य व्यक्ति को उससे निकलने का कोई उपाय ना सूझे। एडवर्सिटी कोशेंट, इन दिनों खूब चर्चा में है और हाल-फिलहाल में यह किसी इंसान की बौद्धिक परख का सबसे निर्णायक पैमाना माना जाने लगा है। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि किसी व्यक्ति में चुनौतियों से निपटने की कितनी कुशलता है, इसकी सबसे अच्छी परख उसके बुरे वक्त पर ही होती है। क्योंकि बुरे वक्त पर ज्यादातर लोग बुद्धिमत्तापूर्ण व्यवहार नहीं कर पाते। इसे इस तरह से समझ लीजिए कि कई बहुत अच्छे और सज्जन लोग भी गुस्से के समय पूरी तरह से अपना आपा खो देते हैं और वह उतनी ही बुरी तरह से लड़ते है, जितनी बुरी तरह से आम गैर पढ़े-लिखे लोग लड़ते हैं या दूसरे शब्दों में नासमझ लोग जिस तरह से बुरे समय में व्यवहार करते हैं, वैसा ही व्यवहार कई अच्छे लोग भी अपने बुरे वक्त में करते हैं। इसलिए एक्यू की कसौटी पर ऐसे लोगों को बुद्धिमान नहीं माना जा सकता है।

बुरे दौर से निकलने की क्षमता

एडवर्सिटी कोशेंट, वास्तव में प्रतिकूलता का गुणांक होता है। हर व्यक्ति अपने सामने आई चुनौतियों से निपटने का कोई ना कोई तरीका अपनाता है। जिस व्यक्ति का ऐसी चुनौतियों से निपटने का तरीका सबसे कारगर और मौजूदा परिस्थितियों में सबसे प्रभावी होता है, वास्तव में वही बुद्धिमान होता है। इसलिए देखने में आता है कि कई सफल लोग भले सामान्य परिस्थितियों में ज्यादा कुछ ना बोलें, बढ़-चढ़कर अपनी समझदारी ना दिखाएं, लेकिन जब बुरा वक्त आता है तो वे बहुत ही बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से उस बुरे वक्त से बाहर निकल आते हैं। माना जाता है कि कॉर्पोरेट सेक्टर में सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर आईक्यू बहुत महत्वपूर्ण नहीं होता, क्योंकि यहां तक अगर कोई पहुंचा है तो उसकी दिमागी क्षमता सामान्य लोगों से तो ज्यादा होगी ही। इस स्तर पर ईक्यू भी बहुत महत्वपूर्ण नहीं रह जाता, क्योंकि सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर या बहुत ऊंचे पायदान पर भावनाएं बहुत मायने नहीं रखती हैं और इस स्तर पर सामाजिकता भी कम से कम उतनी अर्थपूर्ण नहीं रहती, जितनी निचले स्तर के लोगों के लिए सामाजिकता की कीमत होती है। सफलता के सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंचकर अगर आप अचानक परेशानियों से घिर गए हैं, चुनौतियों में उलझ गए हैं, तो ऐसे वक्त पर प्रतिकूलता के दौरान दिखाई गई बुद्धिमत्ता ही एकमात्र वह गुण होगा, जिसके जरिए आप इस कठिन समय से बाहर आएंगे और बुद्धिमत्ता की जिस तरकीब के जरिए आप बुरे वक्त से बाहर निकलेंगे, वह तरकीब ही साबित करेगी कि आपमें प्रतिकूल समय से बाहर निकलने की कितनी क्षमता है?

सबसे महत्वपूर्ण बन गया एक्यू

पिछले कुछ दशकों में अलग-अलग बुद्धिमत्ता पैमाने पर लोगों की प्रतिभा को कसने के बाद अब मनोवैज्ञानिक निर्णायक रूप से इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि जिंदगी में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण कठिन समय में दिखाई गई कुशलता या बुरे वक्त की वह बुद्धिमत्ता ही होती है, जिसकी बदौलत कोई व्यक्ति अपने बुरे दिनों से बाहर आता है। यह कुशलता कई तरह से व्यक्त होती है। अपने लिए सहानुभूति हासिल करके, आत्म-जागरूकता की ऊंचाइयां छूकर, जबरदस्त अनुशासन या आत्मसंतुलन का माद्दा दिखाकर, प्रेरणा के सबसे ऊंचे पायदान पर खड़े होकर प्रेरित होने और सामाजिक रूप से हर पैमाने पर कुशल साबित होने से यह बुद्धिमत्ता विजयी कौशल बनकर सामने आती है।

दरअसल, हाल के दशकों में दुनिया में लोगों के पास संपत्ति चाहे जितनी बढ़ी हो, विकास चाहे जिस पैमाने पर पहुंचा हो, लेकिन सच्चाई यह है कि अब से ज्यादा निराशा, तनाव, बेचैनी और पराजयबोध किसी भी दूसरे दौर में नहीं देखा और महसूसा गया। इसलिए आज आर्थिक रूप से और परचेजिंग पावर (क्रयशक्ति) के पैमाने पर भले लोग ज्यादा खुशहाल दिखें, लेकिन मानसिक स्तर पर आज कहीं ज्यादा लोग परेशान हैं और यह मानसिक परेशानी ही है, जो पुराने वक्त के मुकाबले आर्थिक रूप से ज्यादा खुशहाल होने के बावजूद हमें निराशा और तनाव से हमेशा दो-चार रखती है। ऐसी स्थितियों में इन परेशानियों से बाहर आना ही वास्तव में बुद्धिमत्ता की निशानी है। इसलिए आज एडवर्सिटी कोशेंट या कठिन समय से कुशलतापूर्वक बाहर निकलने को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाता है। *

विराट कोहली का एक्यू है हाई

कई बार हम कुछ खिलाड़ियों के बारे में यह कहा करते हैं कि यह खिलाड़ी प्रॉब्लम सॉल्वर या टफ टाइम हीरो है यानी क्राइसेस के समय ही इसकी क्षमताएं निकलकर बाहर आती हैं। जाहिर है, ऐसा खिलाड़ी टीम के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। उदाहरण के लिए हाल में भारत द्वारा जीते गए टी-20 विश्व कप के पूरे टूर्नामेंट में विराट कोहली बहुत अच्छा नहीं खेल पाए थे। लेकिन ज्यादातर एक्सपर्ट यह मानकर चल रहे थे कि फाइनल में विराट कोहली जरूर चलेंगे, उनका बल्ला बोलेगा और एक्सपर्ट यह भी कह रहे थे कि अगर फाइनल में विराट कोहली नहीं चले तो भारत का जीतना मुश्किल होगा। देखा जाए तो सबकुछ ऐसा ही हुआ। फाइनल में विराट कोहली ने 59 गेंदों में शानदार 76 रन बनाए और उन्हीं के रनों की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 20 ओवर में 177 रनों का टारगेट दिया। अगर कोहली ने इस निर्णायक मैच में यह बेहतरीन ईनिंग ना खेली होती तो भारत का जीतना बहुत मुश्किल था। इससे प्रूफ हो गया कि विराट कोहली का एक्यू कितना हाई है!

लाइफ को बेचैन बना रहे अनलिमिटेड ऑप्शंस

तकनीकी विकास और बेशुमार सुविधाओं ने जीवन को कई मायने में आसान और आरामतलब तो बनाया है। लेकिन इसके साथ ही अनलिमिटेड ऑप्शंस की भरमार, हमारी मानसिक शांति को हमसे छीन रही है, हमें बेचैन बना रही है।

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

कई वर्किंग यंगस्टर्स अकसर फूड डिलीवरी एप्स पर पसंदीदा भोजन और रेस्टोरेंट की सर्चिंग के लिए लंबा समय बर्बाद करते और परेशान होते दिखते हैं। बहुत सोच-समझ कर मंगाने के बाद भी वे इस खाने से असंतुष्ट होते दिखते हैं। कई बार तो वे इस बात का निर्णय लेने में काफी वक्त बर्बाद कर देते हैं कि ओटीटी पर कौन-सा शो या मूवी देखी जाए। लेकिन इन्हें हमेशा लगता है कि काफी वक्त और ऊर्जा खर्च करने के बाद उन्होंने जो निर्णय लिया वह बिल्कुल गलत था।

बेवजह की बेचैनियों से परेशान: आजकल के कई यंगस्टर्स, दिनभर बेवजह परेशान, हैरान और उलझन में दिखते हैं। उनके चेहरे पर तनाव, झुंझलाहट और व्यग्रता का अंदाजा कोई भी समझदार आसानी से लगा सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इन बेचैनियों में से ज्यादातर बहुत बचकाने कारणों से होती हैं। ये हालात सिर्फ युवाओं के ही नहीं, इसके शिकार कुछ हद तक अब प्रौढ़ भी होने लगे हैं। अचरजकारी बात यह है कि हम अपनी जिंदगी के महत्वपूर्ण और कठिन निर्णयों को अकसर मामूली समझने लगे हैं। शादी के लिए या फिर जॉब चुनने में लोग ज्यादा वक्त और ऊर्जा भले ना लगाएं पर मामूली निर्णयों को जरूरत से ज्यादा तवज्जो देने लगे हैं। फैशन की होड़ और बेकार की जोड़-तोड़ के जंजाल में लोग ऐसे फंसे हैं कि अपनी मानसिक शांति खोते जा रहे हैं।

वजह हैं ज्यादा ऑप्शंस: क्या आपने सोचा है कि इतनी बेचैनियों की वजह क्या है? सबसे बड़ी वजह है, ज्यादा ऑप्शंस की मौजूदगी। हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां सब कुछ बहुतायत में उपलब्ध है। सुविधाएं अंतहीन हैं और बाजार ढेर सारे विकल्पों से भरे पड़े हैं। यही अधिकता, हमारी मानसिक अशांति, चिंता, दुख, बेचैनी और अवसाद की सबसे बड़ी वजह है।

असल में आज की तारीख में हमें सबसे ज्यादा परेशान वह चीज करती है, जिसे हम खरीद नहीं पाए। इंटरनेट पर सर्चिंग हो, आइसक्रीम पार्लर हो, फिटनेस एप्स हो, मूवी थिएटर हो, साड़ी की दुकान हो या टूथब्रश, साबुन, शैंपू जैसी रोजमर्रा की छोटी-छोटी चीजें, हमारे सामने इतने विकल्प होते हैं कि हम कंफ्यूज और बेचैन हो जाते हैं कि आखिर इनमें से कौन-सा चुनें। कई बार हालत यह हो जाती है कि जो टीवी हमने लिया उससे अलग दूसरे के पास है और उसमें कोई एकाध फीचर भी अलग है, जो भले ही काम का नहीं है तो भी हम बेचैन हो जाते हैं।

पहले हम रहते थे सुकून से: आज से कोई 15-20 साल पहले हर चीज के सीमित विकल्प होते थे। शादी में खाने के आइटम गिनती के होते थे, फिल्में थोक भाव से नहीं आती थीं बल्कि महीने में जो एक आध फिल्म आती थी, वही खूब चलती थी। सामाजिक स्तर पर दिखावा आज जैसा नहीं था। तब हम एक उपभोक्ता के रूप में इतने बेचैन, दुखी और कंफ्यूज बिल्कुल नहीं रहते थे। कमरे में फर्नीचर के नाम पर गद्देवाला बेड और अलमारी होती थी, जिसमें पूरा परिवार अपने कपड़े रखता था। आइसक्रीम या चॉकलेट की कुछ वैराइटीज होती थीं। कभी-कभी उन्हें खाकर ही बड़ा आत्मसंतोष होता था। लेकिन अब इन चीजों को चुनने के लिए भी काफी माथा-पच्ची करनी पड़ती है।

ज्यादा ऑप्शंस करते हैं परेशान: 'एज ऑफ अबेंडंस' यानी 'बहुतायत के युग का जीवन पर प्रभाव' पर अध्ययन करने वाले सोशल साइंटिस्ट कहते हैं कि विकल्पों की यह बहुतायत सुखी और खुशहाल करने के लिए बिल्कुल भी जरूरी नहीं है। जरूरत से ज्यादा विकल्पों की उपलब्धता, इंसानी दिमाग को पैरालाइज कर सकती है। जिससे अंत में हम वह खरीद लेते हैं, जो हमारे लिए ठीक नहीं होता। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक और सोशल थ्योरी के प्रोफेसर बेरी श्वार्टज ने अपनी पुस्तक 'पैराडॉक्स ऑफ चॉइस' में कुछ ऐसा ही लिखा है।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के लॉ स्टूडेंट पेटे डेविस ने 'व्हाट नेटफ्लिक्स टॉट मी अबाउट लाइफ' विषय पर अपने स्पीच में कहा कि ब्राउजिंग की स्वतंत्रता ने यूथ का चैन छीन लिया है। आधे घंटे तक विभिन्न फिल्मों की सर्फिंग और सर्चिंग करने के बाद वे कोई फिल्म नहीं देखते और कंफ्यूज होकर बैठ जाते हैं। आपने देखा होगा कि जिन रेस्टोरेंट में आपको डिशेज के बहुत सारे विकल्प मिल जाते हैं, वहां निर्णय लेने में काफी देर लग जाती है और तब तक आप की भूख मर जाती है। जबकि सीमित विकल्पों वाली जगह आप ज्यादा अच्छी तरह संतुष्ट होकर भोजन कर सकते हैं।

स्मार्टफोन के दर्जनों ऑप्शंस हैं। एप्स के पचासों ऑप्शंस हैं। शॉपिंग के अनगिनत विकल्प हैं। ये ऑप्शंस ही हमें परेशान करते हैं।

टफ बन रहा जीवन : ज्यादा विकल्पों ने हमारा जीवन कुछ मामलों में आसान भले ही बनाया हो लेकिन हकीकत यह है कि इन्होंने जीवन को पहले से ज्यादा टफ बनाने के साथ-साथ हमारी शारीरिक-मानसिक क्षमता पर जंग लगाने का भी काम किया है। हमें चिढ़न होती है, जब भारी मशक्कत के बाद चुनी गई वस्तु, आउट ऑफ स्टॉक होने के कारण हमें नहीं मिल पाती जबकि हमारे किसी मित्र को वह मिल जाती है। हमारी सारी शारीरिक-मानसिक ऊर्जा इस बात पर खर्च हो रही है कि हम दूसरे से बेहतर, होशियार और आगे कैसे नजर आएं बजाय अपनी जरूरत पर आधारित अपनी बेहतरी के प्रयास के, हम इन अर्थहीन मसलों में उलझे रहते हैं।

कहने का सार यही है कि शांतिपूर्ण और सुकूनदायक जिंदगी के लिए ज्यादा ऑप्शंस के मोहजाल से बचे रहना जरूरी है। *

गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

नहीं होता जहां कुछ भी

नहीं होता जहां कुछ भी खयाले-खाम होता है
उसे सुनता नहीं कोई जो किस्सा आम होता है
तुम्हारी बज्म में जाने से मेरा कद नहीं बढ़ता
मेरे आने से महफिल में तुम्हारा नाम होता है
अजब दस्तूर है दीपक तले पलता है अंधियारा
किसी की जान जाती है किसी का काम होता है
हकीकत आ ही जाती है निगाहों में जमाने की
बुराई का हमेशा से बुरा अंजाम होता है
फकत इज्जत की खातिर बोली जाती हैं कई बातें
वहां मुद्दा नहीं रहता जहां कुहराम होता है
भले बनकर रहा करते हैं मीठा बोलने वाले
खरा कहता है, जो अकसर वही बदनाम होता है
उन्हें अफसोस होगा जो कभी मुझसे न मिल पाए
मेरी हर बात पे 'नवरंग' कोई पैगाम होता है

कहानी / सरस्वती रमेश

सबसे बड़ा है प्रेम, दया-करुणा का इंसानी रिश्ता। बरसों पहले इसी रिश्ते का बीज बोया था विमल ने। उन्हें क्या पता था कि अनजाने में बोए इस बीज के अंकुर एक दिन तब फूटेंगे, जब उन्हें इसकी सबसे अधिक जरूरत होगी। मानवीय रिश्तों पर आधारित दिल को छूने वाली कहानी।

करुणा का बीज

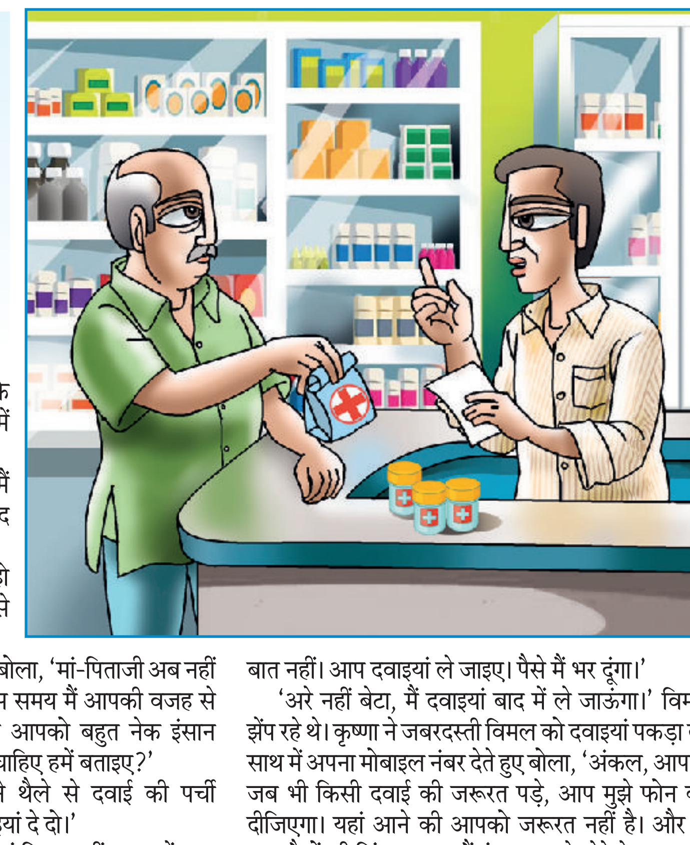

आज डॉक्टर गुप्ता की क्लीनिक में बहुत भीड़ थी। सामने बेंच पर एक महिला बैठी हुई थी। उसकी साड़ी एकदम मलिन थी, हाथ-पैर धूल में नहाए। लग रहा था कोई मजदूर है। कहीं से काम करके लौटी है। उसकी गोद में एक चार-पांच साल का बच्चा था। बच्चा एकदम सुस्त पड़ा था। डॉक्टर गुप्ता ने बच्चे की नाड़ी देखी। आंखों की पुतलियां जांचकर बोले, 'दस्त से शरीर में पानी की कमी हो गई है। ग्लूकोज चढ़ाना पड़ेगा।'

डॉक्टर की बात सुनकर महिला सहम-सी गई। एक पल ठिठक कर उसने सकुचाते हुए पूछा,'कितने पैसे लगेंगे डॉक्टर साहब?'

'दो सौ रुपए ग्लूकोज के और दवाइयों के अलग से।' डॉक्टर ने बताया। 'हमारे पास तो बस सौ रुपए हैं।' महिला मुट्ठी में रुपए दबाए हुई थी। उसके चेहरे पर चिंता की लकीरें उभर आई थीं।

'तो और पैसे घर से ले आओ।' डॉक्टर सख्त लहजे में बोला और दूसरा मरीज देखने लगा।

'तुम बालमुकुंद की घरवाली हो ना?' डॉक्टर की बात सुनकर पास खड़े एक व्यक्ति ने महिला से पूछा। उसने सिर हिला कर हामी भरी और उस व्यक्ति से पूछा, 'आप कौन?'

'मेरा नाम विमल है। मैं बालमुकुंद को जानता हूं। वह राज मिस्त्री है ना। मेरा घर उसी ने बनाया था। आजकल कहां है वह, दिखाई नहीं देता?' विमल ने पूछा।

'उनके पैर पर लेंटर गिर पड़ा था। पैर की हड्डी कई जगह से टूट गई है। दो महीने से खाट पर पड़े हैं।' महिला बहुत ही दुखी स्वर में बोली। 'अरे ! यह तो बड़े तकलीफ की बात है। ये बच्चा तुम्हारा है?' विमल ने बच्चे की ओर इशारा करके पूछा।

'हां, ये हमारा बेटा है। इसकी तबीयत बहुत खराब है।' कहकर महिला रुआंसी हो गई।

विमल को महिला की स्थिति पर बहुत दया आई। वह जानते हैं, बालमुकुंद अच्छा मिस्त्री ही नहीं, एक अच्छा इंसान भी है। हाथ में हुनर है लेकिन बेचारा आजकल खाट पर पड़ा है। विमल समझ गए, घर चलाने के लिए जरूर बालमुकुंद की घरवाली लेबर का काम कर रही है। विमल ने डॉक्टर से कहा, 'आप इस बच्चे का इलाज करिए, पैसे मैं दूंगा।'

डॉक्टर बच्चे का इलाज करने के लिए राजी हो गया। विमल डॉक्टर के बताए पैसे देकर चले गए। इस बात को बीस वर्ष बीत गए। विमल अब बूढ़े हो चुके थे। उनके कोई संतान नहीं थी। वह पत्नी के साथ रहते थे। वृद्धावस्था का एकमात्र सहारा उनकी छोटी सी पेंशन थी। लेकिन दोनों बुढ़ापे के रोगों से परेशान रहते थे। पेंशन उनकी दवाइयों और घर खर्च के लिए काफी नहीं थी। एक दिन विमल मेडिकल स्टोर से दवाइयां खरीद रहे थे, तभी वहीं मेडिकल स्टोर पर काम करने वाले एक युवा पर उनकी नजर ठहर गई। बिल्कुल बालमुकुंद के जैसी कद काठी, नयन-नक्श भी वही। विमल ने उस युवक से पूछ ही लिया, 'तुम बालमुकुंद के बेटे हो?'

'हां, अंकल, आप कौन हैं?' उस युवक ने पूछा।

विमल ने बताया, 'मैं तुम्हारे पिता को जानता हूं। उन्होंने बरसों पहले मेरा घर बनाया था। मेरा नाम विमल है।'

'आप वही विमल अंकल हैं, जिन्होंने बचपन में एक बच्चे का इलाज करवाया था?'

एक क्षण विचारमग्न होने के बाद विमल ने मुस्कुराते हुए हां में सिर हिला दिया।

युवक हंसते हुए बोला, 'मैं वही बच्चा हूं, कृष्णा। बालमुकुंद जी का बेटा।'

'अरे! तुम तो बहुत बड़े हो गए।' विमल ने युवक को ध्यान से ऊपर से लेकर नीचे तक देखा।

कृष्णा बहुत भावुक हो गया, बोला, 'मां-पिताजी अब नहीं रहे। मां बताया करती थीं कि उस समय मैं आपकी वजह से जीवित बच पाया था। पिताजी आपको बहुत नेक इंसान मानते थे। अंकल आपको क्या चाहिए हमें बताइए?'

विमल हड़बड़ा गए। अपने थैले से दवाई की पर्ची निकालकर बोले, 'बेटा, ये दवाइयां दे दो।'

कृष्णा ने पर्ची देखकर दवाइयां निकाल दीं। साथ में 570 रुपए का बिल पकड़ा दिया। विमल अपनी दायीं-बायीं, ऊपर नीचे की सारी जेबें टटोल कर पैसे निकालने लगे, लेकिन सारे पैसे निकालने के बाद भी पैसे पूरे नहीं पड़े। कृष्णा को यह बात समझते देर ना लगी। वह विमल से बोला, 'अंकल, कोई बात नहीं। आप दवाइयां ले जाइए। पैसे मैं भर दूंगा।'

'अरे नहीं बेटा, मैं दवाइयां बाद में ले जाऊंगा।' विमल झेंप रहे थे। कृष्णा ने जबरदस्ती विमल को दवाइयां पकड़ा दीं। साथ में अपना मोबाइल नंबर देते हुए बोला, 'अंकल, आपको जब भी किसी दवाई की जरूरत पड़े, आप मुझे फोन कर दीजिएगा। यहां आने की आपको जरूरत नहीं है। और ना आप पैसों की चिंता करना। मैं हूं ना, आपके बेटे के समान हूं। आपके घर दवा पहुंचा दूंगा।' यह सुनकर विमल की आंखें भर आईं। बीस साल पहले अनजाने ही एक रिश्ते का बीज पड़ गया था। अब वह अंकुरित होकर बाहर झांक रहा था, पल्लवित-पुष्पित होने के लिए। *

बारिश के मौसम में केरल के विभिन्न इलाकों में आयोजित होने वाली सर्प नौका दौड़, अपने अनोखेपन के कारण विश्वविख्यात है। इस सांस्कृतिक आयोजन में गीत-संगीत की मधुरता के साथ ही खेल का रोमांच भी शामिल होता है। इसे देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इसकी विशिष्टताओं पर एक नजर।

अनोखी-मनोहारी केरल की नौका दौड़

कल्चरल इवेंट / धीरज बसाक

अपने देश के दक्षिणी राज्य केरल में मानसून शुरू होते ही, मनोहारी सर्प नौका दौड़ के आयोजन शुरू हो जाते हैं। इस साल पिछले महीने 22 जून 2024 से उसका आगाज हो चुका है और अब यह सितंबर 2024 तक पूरे केरल में अनेक जगहों पर भव्यता के साथ संपन्न होती रहेगी। इन्हें देखने के लिए यहां देश-विदेश के लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

गीत-संगीत-खेल की जुगलबंदी

'चुंडनवल्लम' या 'स्नेक बोट' वास्तव में फुंफकारते सांप सी दिखने वाली एक लंबी पारंपरिक डोंगी शैली की नाव होती है, जो अमूमन 100 से 120 फीट तक लंबी होती है। इन नौकाओं पर 4 नाविक-गायकों के समूह से लेकर 100-125 नाविक-गायक तक सवार हो सकते हैं। नौका दौड़ के दौरान, नाविक नदी या बड़ी-बड़ी झीलों में बहुत तेज गति से नाव भगाते हैं। इस दौरान उन नावों पर सवार गायक और नाविक, केरल के पारंपरिक वाद्ययंत्रों की संगत में 'वंचिपट्टू' यानी सामूहिक लय वाला नौका गीत गाते हैं। यह गायन नाविकों का उत्साह बढ़ाने के लिए होता है। इस नौका दौड़ में गायक और नाविक अकसर एक ही होते हैं, इसलिए कोई नाविक, नाव चलाते (खेते हुए) हुए अगर महसूस करता है कि उसकी तरफ का गीत-संगीत कमजोर हो रहा है, तो वह कोई वाद्य बजाने लगता है। इसी तरह जरूरत पड़ने पर कोई कलाकार गाना या बजाना छोड़कर, चप्पू थामकर नाव चला सकता है, ताकि प्रतिद्वंद्वी नाव से उसकी नाव पीछे ना रहे। इस दौरान गीत-संगीत और खेल की जुगलबंदी देखते ही बनती है।

सदियों पुरानी परंपरा

केरल में सर्पिल नौका दौड़ के आयोजन की सदियों पुरानी परंपरा है।

माना जाता है कि करीब 400 सालों से केरल में स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जा रहा है। इसके शुरू होने के पीछे एक प्रसिद्ध किंवदंती यह है कि प्राचीनकाल में विभिन्न रियासतों के राजा, एलेप्पी (अलप्पुझा) और उसके आस-पास के इलाकों के जलमार्गों का इस्तेमाल, एक-दूसरे के विरुद्ध लड़ने के लिए करते थे। इन जलयुद्धों के दौरान वे एक-दूसरे पर भारी पड़ने के लिए सटीक हल्की और पानी को तीव्रता से काटने वाली डोंगीनुमा नावों का इस्तेमाल किया करते थे, जिनका अगला सिरा फुंफकारते सांप के फन जैसा बनाया जाता था और इसे खूंखार दर्शाने के लिए इसे लाल, काले और गेरुए रंग से रंगते थे। धीरे-धीरे ये जलयुद्ध तो खत्म हो गए, लेकिन बेहतरीन नाव वास्तुकारों के द्वारा बनाई गई स्नेक बोट बची रहीं, जिनके चलते इस आधुनिक स्नेक बोट रेस का आयोजन किया जाने लगा। इसके जरिए लोगों ने सालों में विकसित हुई इस कुशलता की परंपरा को बरकरार रखा और रेस के जरिए हार-जीत के रोमांच को भी इसमें शामिल कर लिया। इस तरह धीरे-धीरे हर साल मानसून के महीनों में जून के अंतिम या जुलाई के पहले सप्ताह से लेकर सितंबर तक सर्प नौका दौड़ों और बेहतरीन सांस्कृतिक संगीत के आयोजन की परंपरा शुरू हो गई।

विशिष्ट होते हैं चार आयोजन

वैसे तो पूरे केरल में जगह-जगह स्थानीय सर्प नौका दौड़ आयोजित होती हैं। लेकिन जिन चार सर्प नौका दौड़ों को केरल सहित पूरी दुनिया में बहुत उत्सुकता से देखा और इंतजार किया जाता है, वे हैं- चंपाकुलम सर्प नौका दौड़, नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस, अरनमुला स्नेक बोट रेस और पयिप्पड़ जलोत्सवम। मानसून की शुरुआत में सबसे पहले चंपाकुलम नौका दौड़ शुरू होती है। यह सबसे प्राचीन और लोकप्रिय स्नेक बोट रेस है। इस स्नेक बोट रेस में, अंबलप्पुझा के श्रीकृष्ण मंदिर में भगवान की मूर्ति की स्थापना का जश्न मनाया जाता है। इस जश्न के दौरान 25 किलोमीटर की यह सर्प नौका दौड़ भी आयोजित की जाती है, जो एलेप्पी से शुरू होकर चंपकुलम नदी में चंगानास्सेरी तक जाती है। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक उमड़ते हैं। इसके अलावा नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस का आरंभ 1952 में हुआ, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पुन्नमदा झील में आयोजित इस रेस को देखने आए थे। तभी से यह नेहरू ट्रॉफी स्नेक बोट रेस आयोजित की जा रही है। तीसरी मशहूर स्नेक बोट रेस अरनमुला की है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की दो दिवसीय धार्मिक उत्सव की परंपरा शामिल है। यह त्रिवेंद्रम से 116 किलोमीटर दूर आयोजित होती है। चौथी स्नेक बोट रेस, पयिप्पड़ जलोत्सवम है। यह भी एलेप्पी से 35 किलोमीटर दूर संपन्न किया जाता है।

इस तरह मानसून के दौरान पूरे केरल में चारों तरफ स्नेक बोट रेस का रोमांच दिखाई पड़ता है। *

उत्साह से हिस्सा लेते हैं स्थानीय लोग

लहराते ताड़ के पेड़ों, नदियों, झीलों, आवासीय परिसरों के पीछे शांत बैक वाटर्स और इस तरह की विविध जलराशियां, जो पूरे केरल में हर ओर बिखरी हुई हैं, उन सबमें मानसून के आते ही सर्प नौका दौड़ की रौनक और उत्साह नजर आने लगता है। अपनी सांस्कृतिक आयोजन की धरोहर को संजोने के लिए स्थानीय लोग पूरे उत्साह-उमंग से इसमें हिस्सा लेते हैं। केरल का अनेक गांव के निवासी इस मौके पर अपनी शक्ति और संगीत परंपरा में दक्षता साबित करने के लिए अपनी-अपनी नावों के साथ इस सर्प नौका दौड़ में शामिल होते हैं और इससे बहुत गर्व महसूस करते हैं। मानसून के आते ही पूरे केरल में स्नेक बोट रेस की मस्ती और धूम छा जाती है। पिछले कुछ दशकों से इस मस्ती और उत्सव का हिस्सा बनने के लिए देश के विभिन्न कोने सहित विदेश से भी लाखों पर्यटक पहुंचते हैं।

मनी मैटर्स
शैलेंद्र सिंह

क्रेडिट स्कोर तीन अंकों की एक ऐसी संख्या है, जो आज की तारीख में हमारे फाइनेंसियल स्टेटस और क्रेडेबिलिटी का पैमाना बन चुका है। अगर आप क्रेडिट कार्ड या लोन लेना चाहते हैं तो क्रेडिट स्कोर के बारे में सब कुछ पता होना चाहिए।

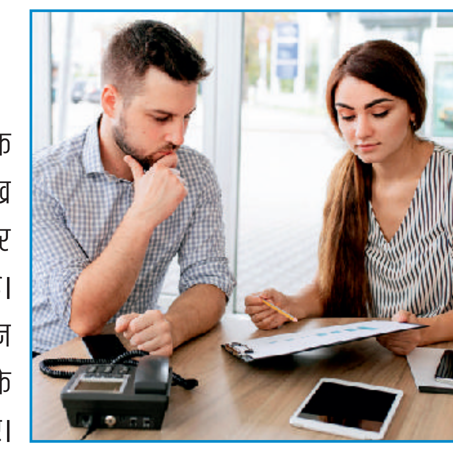

फाइनेंसियल क्रेडेबिलिटी का क्राइटेरिया है क्रेडिट स्कोर

आज की तारीख में आप चाहे निम्न मध्यवर्ग के हों, मध्यवर्ग के हों या उच्च मध्यवर्ग के। किसी भी वर्ग के हों, लेकिन बिना बाजार से लोन लिए प्रायः जिंदगी सहजता या कहें सभी सुख-सुविधाओं से नहीं चलती। आज जिंदगी का चक्र कुछ इस तरह का हो गया है कि लोन के दरवाजे से होकर गुजरना ही पड़ता है। चाहे बच्चों को पढ़ाना हो, चाहे घर बनाना हो, चाहे सोशल स्टेटस के लिए कार खरीदनी हो, घर सजाना हो, बिजनेस करना हो या कुछ भी ऐसा काम, जिसमें एक ठीक-ठाक पूंजी की जरूरत होती है, वह पूंजी अब बहुत आसानी से लोन के जरिए महज कुछ शर्तों पर उपलब्ध हो जाती है। लेकिन यह सुविधा उन्हीं के लिए, बहुत सहज रूप से उपलब्ध है, जिनका क्रेडिट स्कोर अच्छा होता है।

गुड क्रेडिट स्कोर के फायदे: बैंक और वित्तीय कंपनियों की नजर में जो अच्छे उधार लेने वाले हैं यानी उधार लेने के बाद समय पर किस्त चुकाते हैं, बिना मतलब की कोई बाधा नहीं खड़ी करते, लोन चुकाने में आना-कानी नहीं करते, जल्दी से जल्दी कर्ज चुकाने की कोशिश में लगे रहते हैं। बैंकों और वित्तीय संस्थानों की नजर में ऐसे लोग अच्छे सिबिल स्कोर या बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले और ईमानदार कर्ज लेने वाले होते हैं। ऐसे ही लोगों को बैंक और वित्तीय संस्थान बार-बार कर्ज देना चाहते हैं।

क्या है गुड-बैड क्रेडिट स्कोर: भारत में चार क्रेडिट ब्यूरो मिलकर किसी का क्रेडिट स्कोर तैयार करते हैं। इनमें एक है इक्विफिक्स, ट्रांसयूनियन सिबिल, एक्सपीरियन और सीआरआईएफ हाईमार्क। ये चार ब्यूरो किसी भी व्यक्ति के पुनर्भुगतान, लिए गए लोन की उपयोगिता, कर्ज लेने के पैटर्न और कर्ज लेने की हिस्ट्री को देखकर उसका क्रेडिट स्कोर तय करते हैं। वास्तव में क्रेडिट स्कोर 300 से 900 अंकों के बीच की संख्या होती है। इस संख्या में अगर आपका क्रेडिट स्कोर 700 है तो यह अच्छा माना जाता है। 700 से ऊपर है तो और अच्छा माना जाता है और अगर 800 या उसके पार है तब तो बहुत अच्छा माना जाता है। आपका जितना अच्छा क्रेडिट स्कोर होगा, बैंक आपको उतने ही कम ब्याज दर पर कर्ज देने का प्रस्ताव देंगे और जितना कम क्रेडिट स्कोर होगा, आपको उतनी ही ज्यादा ब्याज दरों पर कर्ज मिलेगा। अगर आपका क्रेडिट स्कोर उच्चतम श्रेणी यानी 760 से 850 के बीच में है तो आपसे लोन देने वाला अधिकतम 3.307 प्रतिशत ब्याज ले सकता है। मतलब यह कि आरबीआई के रेपो रेट से आपको 3.307 प्रतिशत और ब्याज दर देनी होगी। मान लीजिए रेपो रेट 3.5 प्रतिशत है तो आपको बैंक कुल 6.3 प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण दे देंगे। लेकिन जिसका स्कोर सिर्फ 300 से 500 के बीच होता है, उन्हें अव्वल तो लोन नहीं मिलता, बहुत मुश्किल से अगर मिलता भी है, तो काफी महंगी दरों पर मिलता है।

कैसे बनाएं अच्छा क्रेडिट स्कोर: अब सवाल है कि आखिर बेहतर क्रेडिट स्कोर या बेहतर सिबिल स्कोर कैसे बनाएं? बेहतर क्रेडिट स्कोर के लिए अपने क्रेडिट कार्ड का बिल समय से भरें। अगर कोई मासिक लोन की किस्त चल रही है तो उसे ना सिर्फ नियमित रूप से दें बल्कि समय पर दें। ऐसा ना करने पर क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां आपके क्रेडिट स्कोर को कम कर देती हैं। क्रेडिट स्कोर बेहतर बनाए रखने के लिए लोन से जुड़े आवेदन बार-बार ना करें। यदि आप क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं तो उसका उचित इस्तेमाल करें। अगर लोन चुकाने में असमर्थ हैं तो सेटलमेंट या समझौता कभी ना करें, इससे तात्कालिक तौर पर आपको राहत मिल जाती है, लेकिन इससे क्रेडिट स्कोर बहुत लंबे समय तक प्रभावित रहता है। *

क्लासिक पोंप डोर

मेल जोन / विवेक कुमार

एक सुटेबल-परफेक्ट हेयर स्टाइल, आपको आपकी वास्तविक उम्र से 10 साल कम का दिखा सकती है। पुरुषों के लिए ऐसे ही पांच हेयर स्टाइल्स के बारे में जानिए।

यंग लुक के ट्रेंडी हेयरस्टाइल्स

अपनी रियल एज से कम का दिखना अधिकतर लोगों की चाहत होती है। ऐसे लुक के लिए आपकी हेयरस्टाइल भी बहुत मायने रखती है। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अट्रैक्टिव अंडरकट: पिछली सदी में 70 का दशक हो, 90 का दशक हो या मौजूदा दशक हो। पुरुषों का यह आकर्षक हेयरस्टाइल 'अंडरकट' बार-बार लौटकर आता है। खासकर थोड़े लंबे पुरुषों में तो यह हेयर कट एक ही शख्स की पर्सनालिटी अलग-अलग एंगल से अलग-अलग दिखाने लगता है। आपको शायद पता ना हो कि यह हेयर स्टाइल 125 साल पुराना है। साल 1900 में पहली बार यह हेयरस्टाइल जर्मनी में कुछ पुरुषों ने अपनाया था, फिर वहां से अमेरिका पहुंचा और देखते ही देखते सारी दुनिया में छा गया। अंडरकट एक एवरग्रीन हेयरकट ऑप्शन है। फुटबॉल प्लेयर डेविड बेकहम से लेकर क्रिकेटर विराट कोहली तक इसे आजमाते रहते हैं।

क्लासिक क्विफ: यह भी काफी पुराना हेयरस्टाइल है। इससे पुरुषों के बाल घने दिखते हैं, क्योंकि किनारे छोटे दिखते हैं और जैसे-जैसे बाल ऊपर चलते हैं, बड़े होते रहते हैं या कम से कम इतने कि कंघी किया जा सके। भारतीय क्रिकेट टीम के बैट्समैन सूर्यकुमार यादव अकसर क्लासिक क्विफ में दिखते हैं। एक जमाने में रिकी पोंटिंग और रणवीर सिंह भी यह हेयरस्टाइल अपनाते थे। इसके लिए आपको कुछ हेयर वैक्स की आवश्यकता होती है। दरअसल, क्लासिक क्विफ एक ऐसा हेयर स्टाइल है, जिसने एक जमाने में पश्चिम में 'कल्ट' की हैसियत हासिल कर लिया था। क्योंकि इसे एल्विस प्रेसली जैसे सुपरस्टार कैरी करते थे। एल्विस के साथ रॉक बिली भी इस स्टाइल के दीवाने थे। बाद में एक लंबे समय तक यह संगीतकारों, विशेषकर युवा संगीतकारों का स्टाइल स्टेटमेंट बन गया। इससे बाल पॉलिश किए गए लगते हैं।

क्लासिक पोंप डोर: यूरोप में यह 1990 में और भारत में 2010 के बाद काफी लोकप्रिय हुआ। हालांकि भारत के पड़ोस, नेपाल में यह हेयर स्टाइल भारत से करीब एक दशक पहले आ गया था। किनारों और पीछे से छोटे ऊपर के बाल लंबे अंडाकार सिर में तो यह बहुत ही खास लगते हैं। अगर आपके बाल घुंघराले हैं तो भी यह स्टाइल आपके लिए खास है, लेकिन अगर सीधे और लहरदार हैं तो भी यह स्टाइल आप पर सूट करेगा। इसमें कंघी करना या यूं ही ढीला और स्टाइलिश छोड़ देना सब चलता है।

क्रू कट: पुरुषों के हेयरस्टाइल में इस स्टाइल का भी जवाब नहीं। यह वास्तव में मल्टी डायमेंशनल स्टाइल है, क्योंकि यह बूढ़ों को भी पसंद है और जवानों को भी, साथ ही टीनएजर भी इसे आजमाते हैं। इसके चलते सिर के पीछे के बाल बेहद छोटे होते हैं, साइड में छोटे होते हैं, सिर्फ खोपड़ी के 20 फीसदी हिस्से में ही बाल होते हैं। मानो हर जगह से बाल कटने के बाद यह स्टाइल पूरी कर दी गई हो। आजकल ये कैजुअल हेयरस्टाइल है, जो महिलाओं को काफी पसंद है। इसलिए भी पुरुष इसे कैरी करते हैं। क्रू कट के साथ यही अच्छी बात है कि इसे एक अच्छी जॉब करने वाला भी कैरी कर सकता है और दिनभर आम लोगों के बीच घूमने वाला व्यक्ति भी।

आर्मी कट: आर्मी कट को बज कट भी कहते हैं। यह भी बेहद आकर्षक, पुराना और एनर्जेटिक हेयर स्टाइल है। ज्यादातर देशों की सेना अपने जवानों के बालों को लेकर सजग रहती हैं। वह उन्हें बड़े बाल नहीं रखने देतीं, जिससे कि वे बेतरतीब और अस्त-व्यस्त ना दिखें। बज कट बहुत आसान कट भी है। इसे इलेक्ट्रिक क्लिपर्स के साथ प्रॉप किया जाता है और बालों को तेज और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए सैलून की नियमित यात्रा करनी होती है, कम से कम हर एक महीने बाद। *

बॉलीवुड फिल्में
डी.जे.नंदन

हिंदी फिल्मों के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से वर्ष 2024 की पहली छमाही बहुत अच्छी नहीं रही। इस दौरान बिग स्टार्स की फिल्में तो कई रिलीज हुईं लेकिन उनमें से कुछ ही बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से हिट रहीं। जनवरी से जून तक रिलीज्ड फिल्मों के कलेक्शन पर एक नजर।

फर्स्ट हाफ ईयर-2024 हिट हुईं कम-फ्लॉप हुईं ज्यादा

कल्कि 2998 एडी

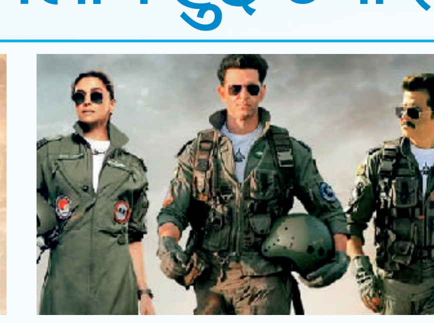

फाइटर

कारोबार के लिहाज से बॉलीवुड के लिए साल 2024 की शुरुआत खट्टी-मीठी रही है। इस दौरान कुछ फिल्में तो हिट रहीं लेकिन ज्यादातर अपनी लागत भी नहीं निकाल पाईं।

जनवरी: 12 जनवरी 2024 को कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति स्टारर फिल्म 'मैरी क्रिसमस', जिसकी लागत 50 करोड़ रुपए थी, फ्लॉप रही। यह महज 18 करोड़ रुपए का ही कलेक्शन कर सकी। करीब यही हाल पंकज त्रिपाठी स्टारर फिल्म 'मैं अटल हूं' का भी रहा। 25 करोड़ रुपए की लागत से बनी यह फिल्म बमुश्किल 7 करोड़ रुपए भी नहीं कमा सकी। 'बॉलीवुड मूवी रिव्यूज डॉट कॉम' वेबसाइट के मुताबिक इसकी कमाई कुल 6.4 करोड़ रुपए रही। इस तरह यह फिल्म भी सुपरफ्लॉप रही। 25 जनवरी 2024 को रिलीज हुई रितिक रोशन-दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'फाइटर' हिट रही। 225 करोड़ रुपए की लागत से बनी इस फिल्म ने कुल 325 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया।

फरवरी: साल का दूसरा महीना फरवरी भी कुछ ऐसा ही रहा। 23 फरवरी 2024 को यामी गौतम और प्रियामणि स्टारर फिल्म 'आर्टिकल 370' जिसकी लागत 40 करोड़ रुपए थी, देश में ही इसने 70 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर ली। इस फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 110 करोड़ रुपए रहा। इसी महीने आई फिल्म 'क्रैक' सुपरफ्लॉप साबित हुई। विद्युत जामवाल और जैकलीन फर्नांडिस स्टारर फिल्म 'क्रैक' की कॉस्ट करीब 80 करोड़ रुपए थी। लेकिन पूरे देश में इसका कलेक्शन 13 करोड़ रुपए भी नहीं हो सका। इससे भी ज्यादा बुरा हाल इस महीने रिलीज कई छोटी-छोटी फिल्मों का रहा। मसलन, भूमि पेंडनेकर और संजय मिश्रा की 'भक्षक', सतीश कौशिक और राज बब्बर की 'मिर्ग', अनुपम खेर और गुरु रंधावा की 'कुछ खट्टा हो जाए', ये सब फिल्में कब आईं और कब चली गईं, किसी को पता ही नहीं चला। हां, इस माह जो एक और फिल्म अच्छी चली, वह शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर 'तेरी बातों में ऐसा उलझा' रही। इसकी लागत महज 65 करोड़ रुपए थी और वर्ल्डवाइड कलेक्शन 170 करोड़ रुपए से भी ज्यादा रहा।

मार्च: अब अगर मार्च 2024 में आई ज्यादातर फिल्में, चाहे वो 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' हो, रवीना टंडन और सतीश कौशिक स्टारर 'पटना शुक्ला' हो, देवोलीना भट्टाचार्य और सोहेला कपूर स्टारर 'बंगाल 1947' हो, इन सबका बुरा हाल रहा। इस महीने अपनी लागत निकालने वाली फिल्मों में रणदीप हुड्डा और अंकिता लोखंडे स्टारर 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' और कुणाल खेमू डायरेक्टेड 'मडगांव एक्सप्रेस' रहीं। बाकी सिद्धार्थ मल्होत्रा और दिशा पाटनी स्टारर 'योद्धा' भी फ्लॉप रही, जो 55 करोड़ रुपए की लागत में बनी थी लेकिन 35 करोड़ रुपए भी नहीं वसूल कर पाई। इसी महीने रिलीज्ड तब्बू और करीना कपूर स्टारर 'क्रू' जरूर सफल रही, जो 60 करोड़ रुपए की बजट में बनी और वर्ल्डवाइड करीब 150 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। इस तरह देखें तो पहले तीन महीने का रिपोर्ट कार्ड ठीक-ठाक रहा। जनवरी से मार्च 2024 के बीच आधा दर्जन से ज्यादा फिल्मों के बिजनेस से बॉलीवुड के कारोबार को बूम मिला।

बड़े मियां-छोटे मियां

अप्रैल: अब अगर अप्रैल से जून की बात करें तो कलेक्शन बेहतर होने के बजाय और बदतर हुआ। लोकसभा चुनाव, बोर्ड एग्जाम और आईपीएल के कारण कई सारी फिल्में बिना चर्चा के आईं और आकर चली गईं।

मैदान

मसलन, विद्या बालन और प्रतीक गांधी की 'दो और दो प्यार', श्रेयस तलपड़े और तनिषा मुखर्जी की 'लव यू शंकर', जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर की 'तेहरान', आयुष शर्मा और सुश्री मिश्रा की 'रुस्लान', मौनी रॉय-तुषार कपूर की 'लव सेक्स और धोखा-2' और राजपाल यादव-जिया मानेक की 'काम चालू आहे' जैसी फिल्मों की कोई खास चर्चा नहीं हुई। हां, इस महीने इम्तियाज अली डायरेक्टेड, परिणति चोपड़ा-दिलजीत दोसांझ स्टारर पंजाबी फिल्म 'अमर सिंह चमकीला' की जरूर धूम रही। अक्षय कुमार और टाइगर श्राफ स्टारर 'बड़े मियां-छोटे मियां' बुरी तरह फ्लॉप रही। यही हाल अजय देवगन और प्रियामणि स्टारर 'मैदान' का भी रहा।

मई: बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से मई का हाल और बुरा रहा। इस महीने में प्रतीक गांधी की 'डेढ़ बीघा जमीन', राजकुमार राव-जान्हवी कपूर की 'मिस्टर एंड मिसेज माही', अनिल कपूर-दिव्या खोसला कुमार की 'सावीः ए ब्लडी हाउस वाइफ', दीपक तिजोरी और अलंकृता सहाय की 'टिप्पसी' भी असफल रहीं। इस महीने राजकुमार राव की 'श्रीकांत', मनोज वाजपेयी की 'भैय्या जी' और श्रेयस तलपड़े की 'कर्तम भुगतम' ही ऐसी फिल्में रहीं, जो अपनी लागत निकाल सकीं।

जून: जून 2024 की बात करें तो अमिताभ बच्चन और प्रभास स्टारर 'कल्कि 2998 एडी' बाहुबली जैसी कल्ट फिल्म साबित हुई। कमाई के लिहाज से भी और दर्शकों को अपनी तरफ खींचने के लिहाज से भी। 'कल्कि' ने महज 7 दिनों में 800 करोड़ रुपए से ज्यादा का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया। इस महीने आई 'मुंज्या' भी कलेक्शन और दर्शकों की पसंदगी के लिहाज से चौंकाने वाली रही। जबकि 'शर्मा जी की बेटी', 'रौतु का राज', 'इश्क-विश्क रिबाउंड', 'हमारे बारह', 'मनिहार' और 'लव की अरेंज मैरिज' जैसी फिल्मों में से सिर्फ 'हमारे बारह' ही अपनी लागत निकालने भर की कमाई कर सकी। इस तरह देखा जाए तो मार्च के बाद अप्रैल, मई और जून में बॉलीवुड के कारोबार में पहले तीन महीनों जितनी चमक नहीं रही।

कुल मिलाकर साल 2024 के पहले छह महीनों में कमाई कम, नुकसान ज्यादा हुआ है। लेकिन जिस तरह से 'कल्कि' ने दर्शकों को रोमांचित किया, उससे लगता है कि अगले छह महीने में आने वाली कई बड़ी फिल्में बॉलीवुड के बेहतर बिजनेस की उम्मीदें पूरा करेंगी। *